रजिस्ट्री सं० डी-(डी)—73

REGISTERED NO. D-(D)-73

Central Secretariat Library

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 28, 1974 (पौष 7, 1896)
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 28, 1974 (PAUSA 7, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 4
PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनायें जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं
Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

रिज़र्व बैंक आफ इण्डिया
केन्द्रीय कार्यालय
बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

बम्बई-1, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

सं० डी० बी० ओ० डी० ए० पी० पी० 832/सी० 452 (के० 25 ए०)74—स्टेट बैंक आफ इंडिया अधिनियम, 1955 की धारा 41 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार के परामर्श से रिज़र्व बैंक आफ इंडिया ने :—

1. मेसर्स एम० के० दांडेकर एण्ड कम्पनी, मद्रास
2. मेसर्स लवलॉक एण्ड लुइस, कलकत्ता
3. मेसर्स एन० एम० रायजी एण्ड कम्पनी, बम्बई
4. मेसर्स खन्ना एण्ड अन्नदानम, नई दिल्ली
5. मेसर्स जे० एन० शर्मा एण्ड कम्पनी, कानपुर
6. मेसर्स एम० भास्कर राव एण्ड कम्पनी, हैदराबाद
7. मेसर्स आर० डी० जोशी एण्ड कम्पनी, इन्दौर
8. मेसर्स के० पांडेय एण्ड कम्पनी, पटना
9. मेसर्स अपाजी अमीन एण्ड कम्पनी, अहमदाबाद—

को स्टेट बैंक आफ इंडिया की अगली वार्षिक सामान्य बैठक तक उक्त बैंक के लेखा परीक्षक नियुक्त किए हैं।

आर० के० हजारी, उप गवर्नर

स्टेट बैंक आफ इंडिया
केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1974

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री टी० कृष्णमूर्ति ने 4 नवम्बर 1974 को कारोबार समाप्त होने की अवधि से नेताजी सुभाष रोड शाखा के स्थानापन्न मुख्य प्रबन्धक का पदभार ग्रहण किया है।

दिनांक 25 नवम्बर 1974

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री मोहिन्दर सिंह ने दिनांक 24 अगस्त 1974 को कारोबार समाप्त होने की अवधि से मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, शिलांग, का पदभार ग्रहण किया है।

दिनांक 9 दिसम्बर 1974

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री के० एस० दण्डायुधपाणि ने श्री के० एस० विजयराघवन के स्थान पर दिनांक 16 नवम्बर 1974 को कारोबार

समाप्त होने की अवधि से दिल्ली शाखा के मुख्य प्रबन्धक का पद भार ग्रहण किया है ।

पी० सी० डी० नम्बिआर
उप-प्रबन्धक निदेशक
(कार्मिक एवं सेवाएं)

बम्बई, दिनांक 26 नवम्बर 1974

स० एस० बी० एस० 8/1974—स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 25(1) के अनुच्छेद (स) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया श्री ओ० पी० सेतिआ, अतिरिक्त मुख्य अधिकारी (सहायक बैंक), स्टेट बैंक आफ इंडिया, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई, को श्री एस० डी० बोरकर के स्थान पर स्टेट बैंक आफ मसूर के निदेशक पद पर तत्काल प्रभावशीलता से नामित करता है ।

दिनांक 29 नवम्बर 1974

स० एस० बी० एस० 9/1974—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38वां) की धारा 25 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (स) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया से विचार-विमर्श कर श्री ए० नरसिंह राव, 15-2-253, महाराजगंज, हैदराबाद-12, को स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के निदेशक पद पर दिनांक 29 नवम्बर 1974 से 28 नवम्बर 1977 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए (दोनों दिन सम्मिलित) श्री ए० के० चेल्लानी, जो आज से निदेशक पद पर नहीं रहेंगे, के स्थान पर नामित किया है ।

दिनांक 9 दिसम्बर 1974

इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक आफ इंडिया का मुख्य रजिस्टर तथा शाखा रजिस्टर शेयर अंतरण के लिए सोमवार, दिनांक 10 मार्च 1975 से सोमवार, दिनांक 24 मार्च 1975, दोनों दिन सम्मिलित, तक बंद रहेंगे ।

राजकुमार तलवार, अध्यक्ष

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री एम० प्रसाद को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 21 नवम्बर 1974 से उप-शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है —

श्री आर० एच० भावे को दिनांक 26 नवम्बर 1974 से केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

ए० बी० मजुमदार,
उप-प्रबन्ध निदेशक (परिचालन)

जयपुर स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड

(स्टेट बैंक आफ इण्डिया का सहायक)

जयपुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1974

विशेष परिनियम के अन्तर्गत भारत में संस्थापित सदस्यों का दायित्व सीमित है ।

सूचित किया जाता है कि बैंक के भागीदारों का रजिस्टर सोमवार, 27 जनवरी 1975 से सोमवार, 10 फरवरी 1975 तक, दोनों दिन मिलाकर बन्द रहेगा ।

बोर्ड के आदेशानुसार,
सत्यदेव
प्रबन्ध निदेशक

स्टेट बैंक आफ इन्दौर

(स्टेट बैंक आफ इंडिया का सहायक बैंक)

इन्दौर, दिनांक 10 दिसम्बर 1974

विशेष परिनियम के अंतर्गत भारत में संस्थापित सदस्यों का दायित्व सीमित है

प्रधान कार्यालय : इन्दौर (म० प्र०)

सूचित किया जाता है कि बैंक के अंशधारियों का रजिस्टर सोमवार 20 जनवरी से सोमवार 3 फरवरी, 1975 तक, दोनों दिन मिलाकर, बन्द रहेगा ।

[निदेशक मंडल की आज्ञा से
बी० के० मुकर्जी,
प्रबन्ध निदेशक

दि० इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इण्डिया

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 नवम्बर 1974

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

स० 23 ए० आर० (1) वै०/59—चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस स्टूडेन्टस एसोसिएशन रूल्स के रूल 6 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दि० कौंसिल आफ दी० इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इन्डिया अपने अधिसूचना नं० 23 ए० आर० (1) वै०/59 दिनांक 11-9-1974 में संशोधन करते हुए प्रसन्नता पूर्वक सूचित करती है कि पश्चिम भारत चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस स्टूडेन्टस एसोसिएशन के सदस्यों की 30-9-1974 के स्थान पर 30-11-1974 को होने वाली वार्षिक साधारण बैठक सही ढंग से और वैध रूप से हुई समझी जाए ।

दिनांक 2 दिसम्बर 1974

स० 23 ए० आर० (स० ए०) उ/59—चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस स्टूडेन्टस एसोसिएशन रूल्स के रूल 6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दि० कौंसिल आफ दी० इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इन्डिया एतद्द्वारा निम्न प्रकार अधिसूचित करती है :—

यद्यपि चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस स्टूडेन्टस एसोसिएशन रूल्स के रूल 34 के अनुसार चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस स्टूडेन्टस एसोसिएशन

के सदस्यों की वार्षिक साधारण बैठक प्रति वर्ष 15 मई और 15 जून के बीच होनी अपेक्षित है और यद्यपि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उत्तर भारत चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस स्टूडैन्टस एसोसिएशन के सदस्यों की वार्षिक साधारण बैठक 15 मई 1974 और 15 जून 1974 के बीच न हो सकी,

और यद्यपि उपयुक्त रूल्स की व्यवस्थाओं के अनुसार कार्य करने में कठिनाई आ गई है, इसलिए अब उपयुक्त अधिकारों के अन्तर्गत सैन्ट्रल कौंसिल निर्देश करती है कि उत्तरी भारत चार्टर्ड एकाउन्टैन्टस स्टूडैन्टस ऐसोसिएशन के सदस्यों की उपयुक्त साधारण बैठक 4 जनवरी 1975 को हो और यह बैठक सही ढंग से और वैध रूप से हुई समझी जाए ।

डी० एस० ग्रेवाल,
कार्यवाहक सचिव

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 दिसम्बर, 1974

सं० 1-सी० ए० (71)/74—चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स, रैगुलेशन्स, 1964 में निम्नलिखित संशोधन का निम्नलिखित मसविदा जिसमें कि कार्पोरेट मैनेजमैन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में समाविस्ट जोकि चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स एक्ट, 1949 (सन् 1949 का 38 वां एक्ट) की धारा 30 की उपधारा (1) और (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रस्तावित किया गया है, उन सभी व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है और एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मसविदा 28 फरवरी, 1975 को अथवा उसके पश्चात् विचारार्थ लिया जायगा।

उपर्युक्त मसविदे के सम्बन्ध में निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी भी आपत्ति अथवा सुझाव पर कौंसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जायेगा।

कार्पोरेट मैनेजमैन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम

उपर्युक्त रैगुलेशन्स में :—

I. रैगुलेशन 179 जोकि "सदस्यों के लिए उच्चतम प्रशिक्षण" से सम्बन्धित है, की वर्तमान "अनुसूची सी" को "अनुसूची सी और 'डी' में बदल लिया जाय।

II. अनुसूची 'सी' के बाद अनुसूची 'डी' को बढ़ा लिया जाय :—

"अनुसूची 'डी'

पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षण

1. कार्पोरेट मैनेजमैन्ट पाठ्यक्रम :

कार्पोरेट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम मे थिओरेटिकल प्रशिक्षण एवं ज्ञान का पाठ्यक्रम भी सम्मिलित होगा तथा जो भी अभ्यर्थी उसमें सफल होते हैं, उन्हें समुचित फार्म में एक प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा, जैसा कि इसके पश्चात् व्यवस्था की गई है।

2. प्रशासन :

रेगुलेशन 152 में दी हुई किसी व्यवस्थाओं के होते हुए भी, कार्पोरेट मैनेजमेन्ट पाठ्यक्रम का चार्ज इस उद्देश्य के लिए कौंसिल द्वारा नियुक्त कमेटी के अधीन होगा, उसके कार्य क्षेत्र में परीक्षा लेना, उसमें प्रवेश, परीक्षकों का चयन और उनकी नियुक्ति, अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए पुस्तकें निर्धारित करना, परीक्षा परिणाम घोषित करना और अन्य तत्सम्बन्धी कार्य सम्मिलित होंगे ।

3. पाठ्यक्रम में प्रवेश :

(1) किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जो संस्थान का सदस्य नहीं है तथा (ए) इंस्टीट्यूट का फैलो नहीं रहा है, अथवा (बी) किसी स्वीकृत व्यापार संगठन, सरकारी संस्थापन, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अथवा मैनेजमेन्ट कंसल्टेन्ट की एक फर्म अथवा शैक्षिक संस्थान में न्यूनतम 2 वर्षीय व्यावहारिक अनुभव रखने वाला एसोसियेट ।

(2) पाठ्यक्रम तीन भागों मे विभक्त होगा। भाग 1 एवं 2 निर्धारित विषयों में लिखित परीक्षा से सम्बद्ध होंगे तथा भाग 3 में कमेटी द्वारा निर्दिष्ट क्षेत्रों में से किसी एक पर शोध-निबन्ध लिखना होगा।

(3) पाठ्यक्रम के भाग 1 एवं 2 में प्रवेश के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को संबद्ध परीक्षा के आरम्भ होने से न्यूनतम 6 माह पूर्व पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा तथा प्रत्येक परीक्षा के लिए एक सौ रूपये का शुल्क जमा करना होगा ।

(4) एक अभ्यर्थी जिसने भाग 1 परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, पाठ्यक्रम के भाग 2 में प्रवेश के लिए ग्राह्य होगा बशर्ते उसे भाग 2 परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, जबकि उसने केस प्रोजक्ट अध्ययन प्रस्तुत कर दिया हो ।

(5) अभ्यर्थी को भाग 3 में अपेक्षित शोध-निबन्ध प्रस्तुत करने की अनुमति तभी दी जाएगी, जबकि वह भाग 2 परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुका हो।

4. प्रश्न पत्र और पाठ्यक्रम :

(1) कॉर्पोरेट मैनेजमेन्ट पाठ्यक्रम की परीक्षा में अभ्यर्थी के विषय निम्नलिखित दो भागों में दिये गये हैं :—

भाग 1		
प्रश्नपत्र 1	प्रबन्ध में मानवीय तत्व]	100 अंक
प्रश्नपत्र 2	उत्पादन एवं उत्पादकता प्रबन्ध	100 अंक
प्रश्नपत्र 3	विपणन प्रबन्ध	100 अंक
प्रश्नपत्र 4	वित्तीय प्रबन्ध	100 अंक
प्रश्नपत्र 5	कर प्रबन्ध	100 अंक
		500 अंक

भाग 2

प्रश्नपत्र 1	संगठन एवं प्रबन्ध विकास	100 अंक
प्रश्नपत्र 2	प्रबन्ध नियन्त्रण	100 अंक
प्रश्नपत्र 3	प्रबन्ध योजना :	
	खण्ड 1 योजना के सिद्धान्त	100 अंक
	खण्ड 2 योजना का प्रशिक्षण	100 अंक
	खण्ड 3 सार्वनिक उद्यमों के लिए प्रबंध योजना	100 अंक
प्रश्नपत्र 4	प्रबन्ध आडिट: केस अध्ययन योजना	100 अंक
		600 अंक

(2) किसी भी भाग को उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम अपेक्षित अंक भाग के प्रत्येक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत और उस भाग के समस्त प्रश्नपत्रों के कुल अंक के 50 प्रतिशत होने चाहिए। बशर्ते संबंधित कमेटी, अपनी इच्छानुसार एक अथवा अधिक प्रश्नपत्रों में न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों के लिए तीन अंक और कुल मिलाकर पांच अंक तक छूट दे सकती है।

भाग I

1.1 प्रबन्ध में मानवीय तत्व

क्षेत्र.—इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यार्थी को व्यवहारिक विज्ञानों जैसे कि समाज शास्त्र मनोविज्ञान से प्राप्त निश्चित संकल्पनाओं और प्रबन्ध में उनकी प्रक्रिया अर्थात योजना, नियंत्रण और संगठन में उनके उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना है। संकल्पनाओं का अध्ययन करते समय अभ्यर्थी को प्रबन्ध की प्रक्रिया के सभी स्तरों पर मानवीय तत्व के महत्व तथा उत्तम परिणामों के लिए प्रबन्ध की प्रैक्टिस में उनका किस प्रकार प्रयोग हो सकता है, के बारे में निरन्तर विचार करने पर जोर देना चाहिए। प्रश्न-पत्र के भाग II में अभ्यर्थी आज भारत में विकसित औद्योगिक सम्बन्धों में स्वर-ग्राम का पुनरीक्षण और कार्य-कलापों में सुधार करने के लिए व्यवहारिक विज्ञानों की अन्तःशक्ति की जांच करेगा। परीक्षा अभ्यर्थी के सिद्धान्त के ज्ञान की जांच-मात्र ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे तो वास्तव में यह जांच करनी चाहिए कि संकल्पना को परिस्थितियों के अनुसार कैसे प्रयुक्त किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

प्रबन्ध में मानवीय तत्व का महत्व—कार्य परिस्थितियों में मानवीय व्यवहार की मूल संकल्पनाएं प्रयोजन, मनोबल और उत्पादकता—व्यक्तिगत और समूहों का व्यवहार औपचारिक और अनौपचारिक नेतागिरी की व्यवच्छेदन—परिवीक्षक (नेतागिरी) की सामाजिक मनोवैज्ञानिक आयाम—नेतागिरी की शैली और कर्मचारी के मनोबल और उत्पादकता पर उनका संघात - प्रबन्ध भागीदारी—परिवर्तन का प्रबन्ध—ग्रुप डायनेमीज।

भाग II

भारत में औद्योगिक सम्बन्ध (ए) ट्रेड यूनियनों की भूमिका—भारतीय ट्रेड यूनियनों की विशिष्टताएँ और उनकी मांगे, (बी) सरकार की भूमिका: श्रमिक नीति त्रिपक्षीय और द्विपक्षीय सलाह—अनिवार्य अधिनिर्णय और सामूहिक समझौता—(सी) प्रबन्ध की भूमिका यूनियनों की मान्यता और सामूहिक समझौता—शिकायतों का निपटारा—सलाहकार प्रबन्ध : संयुक्त प्रबन्ध परिषदें—कार्य समितियां—प्रबन्ध कुशल के अगभूत भाग के रूप में कुशल औद्योगिक सम्बन्धों के विकास के लिए व्यवहारिक विज्ञानों की बुनियाद।

भाग III

सार्वजनकि क्षेत्र संस्थानों में संगठन आबोहवा—सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में भरती, प्रोत्साहन, पारितोषिक और दण्ड प्रणाली तथा व्यक्तिगत पर उनका संघात तथा सामूहिक प्रयोजन तथा व्यवहार—सार्वजनिक क्षेत्र में कर्मचारी उत्पादकता—सार्वजनकि क्षेत्र में नेतागिरी की विशिष्टताएं—सार्वजनिक क्षेत्र प्रबन्धकों की उपलब्धियाँ प्रायोजन।

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में नियोक्ता कर्मचारी सम्बन्ध—सहयोगी प्रबन्ध हेतु पचड़ंच—प्रबन्धकों के रूप में यूनियन नेता—औद्योगिक शान्ति बनाये रखने के लिए नियोक्ता के रूप में सरकार की दोहरी भूमिका।

1.2 उत्पादन एवं उत्पादकता प्रबन्ध

क्षेत्र—अभ्यर्थियों को मूल उत्पादन प्रक्रिया से परिचित कराना और उन्हें उत्पादन निर्णयों और किस प्रकार उत्पादन का रेट मैनेजमैन्ट प्रक्रिया के कुल भाग की अनिवार्यता का भाग बनता है, के आयाम में महत्व को समझाना। कार्य-प्रणाली के ब्यौरे के स्थान पर उत्पादन निर्णयों पर बल देना चाहिए। मूल उत्पादकता संकल्पनाओं के प्रभाव से भी अभ्यर्थियों को छोड़ देना। यद्यपि ये संकल्पनाएं उत्पादन के साथ बंधी है, उनका उपयोग केवल उत्पादन कार्यकलाप तक ही सीमित नहीं है, उनका उपयोग परिचालन के किसी भी क्षेत्र में किया जा सकता है। अतः इसका शीर्षक उत्पादन और उत्पादकता प्रबन्ध है। यह केवल मूल्यांकन पाठ्यक्रम है, अतः अभ्यर्थी के तकनीकी ब्यौरे की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। उनसे अपेक्षा की जाती है कि उन्हें तकनीक की वैचारिक जानकारी हो।

पाठ्यक्रम

उत्पादन प्रक्रिया और उत्पादन के लिए संगठन—उत्पादन परिचालन: सामग्री प्राप्ति और नियंत्रण, उत्पादन मिश्रण, क्वालिटी कन्ट्रोल, सामग्री देखभाल, रूपरेखा, शैड्यूलिंग, एसैम्बिलिंग आदि—आपरेशन्स रिसर्च टैकनीक जैसे लाइनियर प्रोग्रामिंग का उपयोग, पेर्ट, क्वींइंगथ्यौरी, साइमल्टेशन—शिल्पवैज्ञानिक अप्रचलन। उत्पादकता तकनीक : निवेश—निकासी विश्लेषण—श्रमिक और पूंजीगत उत्पादकता का माप-लागत लाभ विश्लेषण—वक्रता सीखना, कीमत विश्लेषण, पद्धतियाँ विश्लेषण, गति शक्ति अध्ययन तकनीक, कार्यक्रम, माप तकनीक।

1.3 विपणन प्रबन्ध

क्षेत्र—अभ्यर्थियों का मूल विपणन प्रक्रियों से परिचित कराना और उन्हें विपणन निर्णयों और किस प्रकार विपणन कार्पोरेट मैनेजमैन्ट प्रक्रिया के कुल भाग की अनिवार्यता का भाग बनता है, के आयाम के महत्व को समझना । विक्रय और वितरण का कार्य-प्रणाली के ब्यौरे के स्थान पर विपणन निर्देशों पर बल दना चाहिए ।

पाठ्यक्रम

भाग I

उत्पादन, ग्राहक, माध्यम, मूल्य, तरक्की तथा वितरण शब्द के रूप में विपणन प्रक्रिया—विपणन मिश्रण ।

विपणन निर्णय :

(ए) उत्पादन से सम्बन्धित : उत्पादन सम्बन्धी नीति उत्पादन विकास, उत्पादन क्वालिटी, ब्राण्ड, उत्पादन अप्रचलन -

(बी) कीमत लगाने से सम्बन्धित; भारतीय वातावरण के संदर्भ में कीमत लगाने के विभिन्न कौशल-

(सी) वितरण माध्यमो से सम्बन्धित—सामान्य बनाम एकमात्र वितरण, राष्ट्रीय बनाम क्षेत्रीय वितरण, सीधा विक्रय बनाम मध्यवर्ती—

(डी) ग्राहक विकास से सम्बन्धित—संस्थागत, ग्रामीण औद्योगिक आदि—ग्राहक स्तर—

(ई) वितरण के संभार—तंत्र से सम्बन्धित

(एफ) तरक्की कौशल से सम्बन्धित—विपणन आडिट—विपणन उद्देश्य विकास करना और कम्पनी के समग्र उद्देश्यों के साथ उनको सम्बन्धित करना ।

भाग II

सार्वजनिक क्षेत्र संस्थाओं के विपणन उद्देश्य । मूल्य भेद और विभेदीकरण के कारणों पर विचार । सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में उत्पादन विकास । वितरण शासित करने वाले विशेष बचा : नियंत्रण और कोटा की प्रणाली—वितरण के माध्यम—सहकारी क्षेत्र, सरकारी एजेन्सिया—सार्वजनिक क्षेत्र और नियति विपणन उपभोक्ता उत्पादन वितरण को शासित करने वाला विशेष विचार ।

विज्ञापन और सार्वजनिक क्षेत्र उत्पादन और सेवाएं ।

विपणन के कार्य साथ-ही-साथ सार्वजनिक क्षेत्र में उत्पादन के कार्य—सार्वजनिक क्षेत्र में विपणन कार्य की लागत लाभ का विश्लेषण ।

सार्वजनिक क्षेत्र उत्पादनों और सेवाओं की "सामूहिक भावना" का मूल्यांकन ।

I.4 वित्तीय प्रबन्ध

क्षेत्र :—इस प्रश्न-पत्र में मूल संकल्पनाएं और कम्पनी फंड के प्रबन्ध को शासित करने वाली तकनीक आती है । वित्तीय प्रबन्ध में संगठन में निवेश और वित्त के रूप में लगे फण्ड के प्रवाह की योजना और नियंत्रण आते हैं । वित्तीय नियंत्रण का स्वरूप उसके लेखा नियंत्रण से अलग है यह प्रबन्धकीय निर्णय लेने वाले से सीधे सम्बन्धित है । अत. इस विषय का सम्पूर्ण विवेचन निर्णय में केन्द्रित है और कुछ भी वित्तीय विश्लेषण जो अपेक्षित है वह निर्णय लेने वाले शिखर प्रबन्ध को सहायता प्रदान की इच्छा करने से सम्बन्धित है और उसे अपने आप में अंतिम के रूप मे विचार नही करना हुए ।

पाठ्यक्रम

भाग I

वित्तीय विश्लेषण की मूल तकनीक : फण्ड प्रवाह विश्लेषण और निवेष तथा वित्त का पैटर्न—वित्तीय अनुपात और वित्तीय निष्पादन का मूल्यांकन—वित्तीय पूर्वानुमान और वित्तीय विवरण के प्रोफार्मा तैयार करना ।

कार्यकारी पूंजी प्रबन्ध : कार्यकारी पूजी अपेक्षाओं का अनुमान बनाना—कार्यकारी पूंजी का नियंत्रण—सम्पत्ति—सूची नियंत्रण और ट्रेड क्रेडिट का नियंत्रण—कार्यकारी पंजी का वित्त प्रबन्ध—नई बिल मार्केट प्रणाली—आप्टीमल लघु अवधि वित्त प्रबन्ध ।

दीर्घ अवधि निवेश (पूंजीगत व्यय) : मूल्यांकन और नियंत्रण—डी० सी० एफ० तकनीक—भारत में वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रोजेक्टों का मूल्यांकन ।

दीर्घ अवधि वित्तीय प्रबन्ध : स्रोत—वित्तीय सस्थानों के साथ बातचीत करना—आप्टीमल ऋण, पूंजी और निवेश नीतियों की लागत—पंजीकरण ढांचे की आवृत करने पर वित्तीय विचार: लाभांश नीति, बोनस विषय, विनिमेय विषय, प्रीमियम विषय, वरीयता पूजी विषय ।

विलय बातचीत में शेयरों का मूल्य-निर्धारण-एक्सचेन्ज में व्यापार न करने वाली कम्पनी के शेयरों का मूल्य—निर्धारण, संकल्पत्तयों का मूल्यनिर्धारण, गुडविल ।

भाग II

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में आर० ओ० आई० के रूप में वित्तीय उद्देश्य को निर्धारित करने के लिए पहुंचे ।

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में प्राप्य और सम्पति-सूची लेखे के प्रबन्ध सम्बन्धी समस्याओं का स्वरूप ।

सार्वजनिक क्षेत्र के लिए फण्ड का स्रोत : ऋणों की लागत, ईक्वटी की लागत और रोकी हुई आय की लागत—सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों के लिए देनदार ईक्वटी अनुपात की संबद्धता ।

सार्वजनिक क्षेत्र इकाईयों में पूंजीगत व्यय मूल्यांकन और नियंत्रण—नदी प्रवाह को निर्धारित करने में आवृत समस्याएं—लागत लाभ विश्लेषण ।

सार्वजनिक क्षेत्र इकाईयो मे साम्य भाग लेने की शासित करने वाली नीतियां और कौशल: विदेशी सहयोग—संयुक्त क्षेत्र ।

राष्ट्रीयकृत कम्पनियों के शेयरों का सामाजिक मूल्यांकन के लिए पहुंच।

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों की समाज कल्याण सेवाएं और आष्टामल पूंजीकरण ढांचे का प्रश्न-आकार और सहक्रिया का विचार।

क्षेत्र : इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थी की बुद्धिमानी और प्लानिंग क्षमता की जांच करना है ताकि कॉर्पोरेट मैनजमैंट जैसे कि व्यापार उन्नति, विस्तार, विविधता और स्थिति को प्रभावित करने वाले मामलों को निपटाने के समय लागू कर कानूनों के ढांचे में कर के प्रभाव को न्यूनतम रखा जा सके। अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि उसे सम्बन्धित भारतीय कर कानूनों की व्यवस्थाओं का यथेष्ट ज्ञान होना चाहिए।

पाठ्यक्रम

1. व्यापारिक यूनिट : फर्म, प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी और पब्लिक लिमिटेड कम्पनी की कानूनी स्थिति के प्लानिंग में कर उलझनें

2. निम्न में कर उलझनें (ए) विदेशी सहयोग प्राप्त करना (बी) विदेश में सहयोग देना अर्थात् विदेश में भारतीय व्यापार की उन्नति करने वाली : सहायक (सब्सीड्यरीज), पूर्णतया जानकारी बिक्री, साम्य भाग लेना आदि।

3. विलय और एकीकरण के कर पहलू।

4. नये औद्योगिक संस्थापन और का प्लानिंग।

5. नियंत्रक-कम्पनी बनाम सम्पिण्डित विस्तार की कर उलझनें।

6. कम्पनीज (प्रोफिट्स) सरटैक्स एक्ट और वित्तीय योजना।

7. कर मौलिक और विशेषज्ञ तरफकी।

8. कार्मिक कराधान : विदेशी और भारतीय।

9. अधिकार-हरण में कर पहलू।

10. पूंजीकरण ढांचे के विकास करने में कर उलझनें : (ए) लघु अवधि ऋण (बी) पब्लिक से डिपोजिट (सी) ऋण अवधि (डी) बोनस विषय (ई) लाभांश नीति।

11. कम्पनी का कराधान जिसमें जनता पर्याप्त रुचि नहीं रखती।

भाग II

2.1 संगठन और प्रबन्ध विकास

क्षेत्र : अविच्छिन्न और गतिशील प्रक्रिया के रूप में संगठन परिचालन हेतु योजना एवं नियंत्रण के लिए ढांचे की व्यवस्था करता है। एक संगठन उतना ही सक्रिया होगा जितना कि उसमें कार्य करने वाले कर्मचारी। अतः कर्मचारियों के विकास के कार्य को संगठन विकास से अलग नहीं किया जा सकता। इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य संकल्पनाओं और तकनीक, जो इस विषय में केन्द्रित है, की स्पष्टतः जानकारी का विकास करना है।

पाठ्यक्रम भाग I

सामूहिक योजना को संगठन के उपाय के रूप में लागू करना—संगठन करने और योजना के बीच सम्बन्ध-संगठन प्रक्रिया: कार्यकलाप विश्लेषण : ग्रुपिंग कार्यकलाप का पैटर्न--विभाग—निर्णय विश्लेषण, प्राधिकार ढांचे के परिवीक्षण का विस्तार—संबंध विश्लेषण: समिति तथा समन्वयन—संगठनात्मक धर्मसन्त्र और संचार।

कर्मचारीगण : श्रेणी बनाम व्यक्ति—निर्जीव-काष्ठ का प्रबन्ध-मानवशक्ति योजना प्रक्रिया, प्रशासक और अप्रशासक श्रेणियों के लिए कार्यमूल्यांकन तकनीक मानवशक्ति की पूर्वानुमान तकनीक की आवश्यकता—निष्पादन मूल्यनिर्धारण प्रणाली प्रशासक कुशलता तालिका--प्रबन्ध विकास पद्धति : आवर्ती, विशेष कार्य, प्रशिक्षण, समितियां आदि-विकासशील प्रबन्ध अनुक्रमण कार्यक्रम।

भाग II

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में प्रबन्ध विकास के लिए पहुंच, कर्मचारी रखने की प्रणाली-सेवा की शर्तें योग्यता बनाम वरिष्ठता का विचार-प्रत्यायोजन प्रणाली-संगठन स्तर और संचार-काम का विस्तार और एरगोनोमिक्स।

प्रशासक का किया हुआ कार्य और प्रशासक की निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में गति शीलता।

सार्वजनिक क्षेत्र में उद्देश्यों और निष्पादन मूल्यनिर्धारण से प्रबन्ध-सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में प्रबन्ध अनुक्रमण समस्याएं।

2.2 प्रबन्ध नियन्त्रण

क्षेत्र : इसका उद्देश्य अभ्यार्थियों को मूल नियंत्रण संकल्पनाओं से परिचित कराना है ताकि वे संगठन के कार्यों के अनुरूप सम्बन्धित नियंत्रण प्रणालियों का विकास करने के योग्य हो सकें।

पाठ्यक्रम भाग I

नियंत्रण की संकल्पना : परिचालन नियंत्रण और प्रबन्ध नियंत्रण—प्रबन्धवर्ग के कार्य-निष्पादन की प्रमुख परिवर्तनशीलता—प्रमुख परिवर्तनशीलता के माप के लिए उद्देश्य मानकों का विकास करना—इंजीनियरी, क्षमता और प्रबन्धित लागतों के अर्थ के रूप में निवेशों का विश्लेषण-बजट बनाने की जिम्मदारी की संकल्पना नियंत्रण के लिए रिपोर्ट करने की प्रणाली-निम्न का नियंत्रण—(ए) संगठनात्मक इकाइयों का कार्य-निष्पादन : प्रखण्ड, विभाग, कक्ष आदि, (बी) कार्य और क्रिया-कलाप का नियंत्रण जो संगठनात्मक इकाइयों जैसे भरती, प्रशिक्षण, समिति कार्य, उत्पादन विकास, नमूने, पदोन्नति आदि के बीच कटाव पैदा करते हैं।

नियंत्रण के लिए सूचना प्रणाली कम्प्युटराइजेशन का क्षेत्र।

भाग II

सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में संचार और नियंत्रण की समस्याएं समन्वय और अंतरिक नियंत्रण वित्तीय एवं लागत नियंत्रण बजट बनाना, सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों में लेखा और लेखा-परीक्षा प्रतिनिधान और उत्तरदायित्व-प्राधिकार और जिम्मदारी परिणामों का माप-मिनिस्टेरियल और पार्लियामैन्टरी नियंत्रण।

2.3 प्रबन्ध योजना

क्षेत्र : अभ्यर्थी से यह अपेक्षा नहीं की जाती है कि वह केवल वातावरण के विकासों से साधारणतः परिचित हो, बल्कि वह इस योग्य होना चाहिए कि सामूहिक योजना प्रक्रिया अर्थात

सूक्ष्म स्तर पर राज्य की वृहत प्रणालियां किस प्रकार प्रभाव डालती हैं और सामूहिक योजना को शक्ल प्रदान करती हैं, के प्रत्येक विकास को अर्थपूर्ण रूप से सम्बन्धित कर सके। प्रश्नपत्र II में अभ्यार्थियों को अपेक्षित है कि वह विशिष्ट योजना संकल्पों और तकनीक का अध्ययन करें और उन्हें लागू करें।

पाठ्यक्रम

भाग I; योजना के सिद्धान्त

प्रबन्ध योजना की प्रक्रिया: योजना परिपेक्ष्य विकास, लम्बी श्रेणी और लघु श्रेणी-विविध कौशल-सहक्रिया-लम्बी श्रेणी (पंच वर्षीय) योजना और कार्यक्रम बजट बनाना अनुसंधान बजट बनाना—समय बजट बनाना—उद्देश्यों से प्रबन्ध।

योजना में परिमात्मक तकनीक :

(ए) प्रोजेक्ट प्लानिंग : पी० ई० आर० टी० और सी० पी० एम०

(बी) साधनों का प्रोजेक्ट नियतन: लाइनियर प्रोग्रामिंग।

(सी) प्रोजेक्ट निर्णय : डिसीजन ट्रीज में प्रोबेबिलिटी थियोरी

(डी) पूंजीगत बजट बनाना : डी० सी० एफ० तकनीक

(ई) क्यूइंग थियोरी

(एफ) साइमलटेशन

भाग II ; योजना की प्रैक्टिस

प्लानिंग पर्यावरण: सामाजिक आर्थिक राजनीतिक तत्व प्रबन्धकीय प्लानिंग पर प्रभाव डालते हैं. भारत में आर्थिक प्लानिंग और आर्थिक स्वावलंबन बेरोजगार और वृद्धि के अनुकूल रोजगार की आवश्यकता—विदेशी मुद्रा स्थिति और आयात स्थानापत्ति की आवश्यकता, भारी और एण्ड ही कार्यक्रम और भारत के व्यापार की विदेश में वृद्धि के लिए नये मार्ग की खोज—भारत की विदेश में संयुक्त जोखिम—भारत की आयात नीति में परिवर्तन।

राज्य की सामाजिक नीतियां और सामूहिक प्लानिंग पर उनका संघात: औद्योगिक (विकास) रैगुलेशन ऐक्ट-कैपिटल इश्यू एक्ट का नियंत्रण—एम० आर० टी० पी० एक्ट-इण्डियन कम्पनीज एक्ट का सम्बन्धित भाग जो सामूहिक प्रबन्ध के संविधान को प्रभावित करता है, प्रबन्ध नियंत्रण और प्रबन्ध का स्थानांतरण-कमीशन शुल्क और मूल्य रैगुलेशन।

परिप्रेक्ष्य प्लानिंग आवृत से समस्याएं क्षेत्र

1. नये व्यापार की तरक्की : एक सहायक कम्पनी का प्रवर्तन, विदेशी सहायता के अन्तर्गत एक नई जोखिम का प्रवर्तन, विदेशों में भारतीय कम्पनी का प्रवर्तन-कम्पनी को बनाने से सम्बन्धित कानून, प्रौक्टस और प्रक्रिया—एक नई कम्पनी के बनाने में प्राथमिक पग, औद्योगिक लाईसेंस, प्रौजैक्ट रिपोर्ट, सरकारी प्राधिकारियों की अनुमति और स्वीकृति, विशेषकर विदेशी सहयोग के मामले में-आरंभिक वित्त और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी, विवरणिका—नियुक्ति, योग्यताएं और निवेशकों सहित प्रबन्धकीय कर्मचारियों के पारिश्रमिक।

2. स्थिति : समस्या का विश्लेषण जिसमें उत्पादन यूनिटों, विपणन, सेवा/वितरण/यूनिट, प्राप्ति केन्द्र, रख-रखाव केन्द्र आदि की स्थिति सम्मिलित है।

3. विस्तार विविधता के माध्यम से: समस्तर और उर्ध्वाधर विस्तार—विस्तार और विकेन्द्रीकरण—सहयोग के माध्यम से—विस्तार और प्रबन्ध—अनुक्रमण—विलय और एकीकरण के माध्यम से विस्तार—एकीकरण को शासित करने वाली कानूनी व्यवस्था—विस्तार और सार्वजनिक नीति।

4. निष्क्रियता और अप्रचलन—विपणन निकट दृष्टि की समस्याएं—प्रबन्ध अप्रचलन की समस्याएं, उत्पादन/तकनीक/अप्रचलन व्यवहार—वित्तीय निकटदृष्टि की समस्याएं।

5. वृष्टीकरण : परिचालन को स्ट्रीय-लाइम करना, प्रोडक्ट लाइन का नियंत्रण

6. पुनर्वास : सन्निकट असफलता को दूर करना—विलय के माध्यम से पुनर्वास असफल हुई कम्पनी का पुनर्वास—सरकार के हस्तक्षेप से पुनर्वास।

भाग III: सार्वजनिक उद्योगों के लिए प्रबन्ध योजना

1. सरकार का उद्योग में भाग लेना—सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियां—सार्वजनिक क्षेत्र उद्योगों के लिए संगठन बनाने को शासित करने वाले प्राथमिक विचार सरकारी कम्पनियां, सांविधिक नियम और सरकारी विभाग—सार्वजनिक इकाइयों के लिए प्रबन्ध मंडल बनाना।

2. सार्वजनिक क्षेत्र योजनाओं का मूल्यांकन मूल्य समाना, लाभ और योजना मूल्यांकन के बीच अलग न होने वाले सम्बन्ध। सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों के मूल्य-लगाने की नीति-मूल्य लगाने में आवृत विचार—मूल्य लगाने में लाभ पद तत्वों का समावेश—अनेक सिद्धांत।

सार्वजनिक योजनाओं में आई विशेष समस्याएं—सामाजिक लाभ की संकल्पना—योजना की वर्तमान सामाजिक मूल्य—शैडो मूल्य और शैडो मजदूरी दर का प्रयोग—सामाजिक लागत और सामाजिक लाभ—डिसकाउन्ट की दर और टाइम प्रिफरेंस की सामाजिक दरें—निर्णय लेने में संभाव्य का प्रयोग—रिटर्न की सामाजिक दर—लागत लाभ विश्लेषण का कल्याण आधार।

3. सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों की स्थिति से सम्बन्धित समस्याएं। आर्थिक एवं सामाजिक विचार—यूनिट के आकार और परिचालनों के आर्थिक स्तर का निर्धारण।

4. मल्टी-प्लांट, मल्टी-प्रोडक्ट—सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों के लिए संगठनात्मक समस्याएं—होल्डिंग कम्पनी की संकल्पना।

5. सार्वजनिक—निजी क्षेत्र प्रतियोगता का शासित करने वाले विपणन विचार।

6. सार्वजनिक क्षेत्र कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन : राष्ट्र (जैसे की वृद्धि दर, बचत दर, पूंजी आउट-पुट प्रतिशत) मैक्रो आर्थिक सिद्धांतों का सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों के माइक्रो टारगट्स में ट्रांसलेशन, निम्न टर्म्स में :

1. मूल्य जोड़ना (आउट पुट)
2. बचत का प्रजनन
3. पूंजीगत सूचना प्रतिशत
4. रोजगार प्रजनन
5. श्रम उत्पादकता
6. पूंजीगत आउट-पुट प्रतिशत

उपर्युक्त को दृष्टि में रखते हुए, देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र प्रबन्ध द्वारा अभिनीत भूमिका का मूल्यांकन।

2. मैनेजमेन्ट आडिट: केस स्टडी प्रोजेक्ट

केसस्टडी के लिए 50 अंकों तथा केसस्टडी पर आधारित मौखिक परीक्षा के लिए 50 अंकों का प्रश्नपत्र केस स्टडी प्रोजेक्ट का उद्देश्य अभ्यार्थी को चुनी हुई कम्पनी के कार्यों के परिचालन को गहराई तक अध्ययन करने का अवसर देता है, जिससे कि कम्पनी के संपूर्ण परिप्रेक्ष्य मामलों के स्वरूप का विकास किया जा सके तथा भविष्य में विकास हेतु योजना दर्शायी जा सके। प्रोजेक्ट में अन्य के साथ निम्नांकित भी सम्मिलित होने चाहिए :

1. समय की एक अवधि के अन्तर्गत विभिन्न कार्य क्षेत्रों में कम्पनी की नीतियों एवं कार्यक्रमों का अध्ययन।
2. कम्पनी के क्रिया-कलापों का खण्ड रूप में तथा पूर्ण रूप से लक्ष्णानुसार माप (जहां तक संभव हो) करने के लिए कुछ इन्डीकेटर्स का विकास।
3. कम्पनी की प्रबन्धकीय शक्ति एवं कमियों (सीमाओं) को सिद्ध करना
4. उच्च प्रबन्ध तथा उपर्युक्त 3 की आकांक्षाओं एवं उद्देश्यों तथा मैनेजमेंट प्लानिंग के 2.3 प्रश्न-पत्र में विचारानुसार प्रतिबन्ध को आंकना
5. प्रबन्ध कौशल के लिए एक कार्यक्रम बनाना।

200 अंकों का शोध-निबन्ध

भाग III

200 अंकों का शोध–निबन्ध

शोध-निबन्ध का उद्देश्य अभ्यार्थी को हमारी अर्थ व्यवस्था के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों, जिनकी सूची नीचे दी गई है, में प्रबन्ध संकल्पनाओं एवं तकनीकों को लागू करने में कन्सैप्शनल एवं विश्लेषण सम्बन्धी योग्यता प्रदान करना है। यह विशिष्ट क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में विशेष महत्व रखते हैं। आने वाले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों की महत्ता और बढ़ेगी।

इन क्षेत्रों में प्रबन्ध का स्तर सामान्यतः निजी क्षेत्र से पिछड़ा हुआ है। उनकी बढ़ती हुई महत्ता को दृष्टि में रखते हुए, यह आवश्यक है कि इस प्रकार के क्षेत्रों में प्रबन्ध प्रशिक्षण पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए, जिसके लिए वास्तव में कोई नई बात नहीं करनी है, केवल प्रबन्ध की चिरपरिचित संकल्पनाओं एवं तकनीकों को अर्थपूर्ण रूप से अपनाना है। जैसा कि हम आशा करते हैं कि हमारे सदस्यों की एक बड़ी संख्या इन क्षेत्रों में जाती है, हमें उन्हें इन क्षेत्रों में प्रबन्ध की प्रकृति से परिचित कराना चाहिए। विस्तार रूप से शोध-निबन्ध प्रक्रिया में निम्नांकित सम्मिलित होने चाहिए।

ए. चुने हुए क्षेत्र का ऐतिहासिक स्वरूप का विकास करते हुए जो प्रबन्ध एवं आर्थिक विकास के आधारभूत सम्बन्ध को स्पष्ट करता हो।

बी. सूक्ष्म परीक्षा के लिए चुने हुए क्षेत्र में से एक प्रमुख यूनिट का चुनाव–संगठन के विशिष्ट कार्यों का अध्ययन एवं मूल प्रबन्ध प्रक्रियाओं को पहचानना।

सी. कुछ प्रबन्धकीय समस्याओं का निदान।

डी. रूपरेखा बनाना कि किस प्रकार कुछ प्रबन्ध संकल्पनाएं/तकनीक, अपनाने के पश्चात् पहचानी हुई समस्याओं के समाधान में अपनाई जा सकती थी।

शोध-निबन्ध सम्बन्धित कमेटी द्वारा स्वीकृत व्यक्ति के मार्गदर्शन में लिखा जाए। मार्गदर्शक एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसे चुने हुए विषय में, जो कि कमेटी द्वारा अभिस्वीकृत है, प्रबन्धकीय अनुभव होना चाहिए।

शोध निबन्ध के लिए क्षेत्र (कोई एक केवल)

1. सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक उद्यमों का प्रबन्ध।
2. भारत में वित्तीय संस्थाओं का प्रबन्ध (वाणिज्यीय बैंकों सहित)।
   वित्तीय संस्थान एवं आर्थिक विकास-राज्य वित्तीय संस्थान एवं भारतीय पूंजी बाजार।
   अध्ययन के लिए एक वित्तीय संस्थान चुनिए।
3. सहकारी उद्यमों का प्रबन्ध : (औद्योगिक अथवा विपणन सहकारी-समितियां)–अध्ययन के लिए कोई एक वृहत्-स्तीय इकाई चुनिए।
4. बीमा प्रबन्ध (अध्ययन के लिए सामान्य बीमा कम्पनियों में से एक अथवा जीवन बीमा निगम के किसी खंड को चुनिए)
5. नगरीय प्रबन्ध (अध्ययन के लिए बड़ी नगरपालिकाओं में से एक चुनिए)
6. अस्पताल प्रबन्ध (सरकारी अस्पतालों में से कोई एक)।
7. परिवहन प्रबन्ध (निम्नांकित में से एक का चयन करें) :

   एयर इण्डिया

   इण्डियन एयरलाइन्स

   भारतीय रेलों में से कोई एक (केवल कुछ चुने हुए पक्ष) कोई भी राज्य सड़क परिवहन निगम भारतीय जहाजरानी निगम।
8. यूनियन प्रबन्ध (भारत में किसी एक प्रमुख कर्मचारी यूनियन का)
9. शैक्षणिक प्रशासन का प्रबन्ध (निम्नांकित में से किसी एक में) :

विश्वविद्यालय प्रशासन में प्रबन्ध

उच्च शिक्षा के किसी राष्ट्रीय संस्थान का प्रबन्ध जैसे रिसर्च लैब, अथवा इन्स्टीट्यूट, इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी, इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, एन० सी०ए० ई०आर०, पैट्रोलियम रिसर्च इंस्टीट्यूट, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस इंस्टीट्यूट आफ फोरेन ट्रेड आदि।

10. सार्वजनिक प्रशासन में प्रबन्ध (निम्नांकित में से किसी एक)

किसी एक जिले में औद्योगिक विकास का प्रबन्ध
पिछड़े क्षेत्र का विकास : प्रबन्धकीय पहुंच
गांवों के चुने हुए ब्लाक में सामुदायिक विकास
एक प्रमुख सिंचाई परियोजना का प्रबन्ध
परिवार नियोजन विकास में प्रबन्ध—
गृह विकास योजना का प्रबन्ध
व्यस्क/ग्रामीण शिक्षा योजना
एक जिले में कृषि विकास
एक जिले में सार्वजनिक कार्य प्रबन्ध
एग्रो इंडस्ट्री विकास कार्यक्रम का प्रबन्ध।

5. परीक्षा संचालन

(1) परीक्षाएं कौंसिल के निदेशानुसार अन्तरालों, प्रणाली एवं समय और स्थान पर ली जाएंगी।

(2) परीक्षा की तिथियों एवं स्थान तथा अन्य विवरण भारतीय राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे।

6. परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन

परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन स्वीकृत प्रपत्र पर, जिसकी एक प्रति सचिव से प्राप्त की जा सकती है, निर्धारित शुल्क सहित कौंसिल के पास उसके निदेशानुसार पहुंच जाने चाहिए।

7. शुल्क की वापसी

(1) परीक्षा में प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थी द्वारा अदा किया गया शुल्क, उप-पैराग्राफ (2) में दी गई व्यवस्था को छोड़कर, वापस नहीं किया जाएगा।

(2) जब अभ्यर्थी कौंसिल को अपने शुल्क का आगामी परीक्षा हेतु स्थानान्तरण के लिए आवेदन करता है, वह भी इस आधार पर कि उसे उसके नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों के कारण परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया है, कौंसिल इस प्रकार के अभ्यर्थी द्वारा अदा किया गया शुल्क केवल निम्नांकित आगामी परीक्षा के शुल्क के भुगतान स्वरूप उचित समझते हुए अनुमति दे सकती है:

बशर्ते इस प्रकार का कोई भी आवेदनपत्र परीक्षा की अन्तिम तिथि के पन्द्रह दिन की समाप्ति के पश्चात् विचारणीय नहीं होगा।

8 परिणाम की घोषणा

(1) सफल अभ्यर्थियों की एक सूची भारतीय राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

(2) समस्त अभ्यर्थियों को प्रत्येक पत्र में प्राप्त अंकों की सूचना दे दी जाएगी।

9 अनुचित तरीके अपनाने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्यवाही

यदि कमेटी को सूचना दी जाती है कि किसी अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा उत्तीर्ण करने के उद्देश्य हेतु अनुचित तरीके अपनाए गए हैं अथवा अपनाने की कोशिश की गई है तो कमेटी इसकी जांच करेगी तथा कौंसिल को एक रिपोर्ट देगी, जिसकी पुनः जांच के पश्चात् यदि यह आवश्यक समझा गया, अभ्यर्थी के विरुद्ध जैसा भी उसे उचित प्रतीत हो, अनुशासनात्मक कार्यवाही करेगी।

बशर्ते अभ्यर्थी को उसके विरुद्ध दिये जाने वाले आदेश से पूर्व एक बार सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

10 परिषक :

कमेटी अपनी इच्छानुसार प्रबन्ध कर सकती है तथा प्रश्नपत्र बनाने और उत्तर पुस्तिकाओं जांचने के लिए किसी भी प्रकार से परीक्षक नियुक्त कर सकती है।

11 परिणाम में संशोधन

किसी भी मामले में जहां यह पाया जाता है कि परीक्षा के परिणाम में भूल, अनाचार, धोखा, अनुचित व्यवहार अथवा अन्य किसी प्रकार से प्रभावित किया गया है, कमेटी को जैसा कि इससे पूर्व भी यहां वर्णित है, परिणाम को उस रूप में, जो वास्तविक स्थिति के अनुरूप होगा, संशोधित करने एवं उस आधार पर जिसे कमेटी आवश्यक समझे, घोषित करने का अधिकार होगा।

12 शोध निबन्ध के मूल्यांकन की प्रक्रिया

(1) अभ्यर्थी को जो इस पाठ्यक्रम के भाग 3 के अन्तर्गत शोध-निबन्ध तैयार करने के इच्छुक हैं, भाग 2 के समस्त प्रश्नपत्रों में परीक्षा उत्तीर्ण करने की तिथि से एक माह के अन्दर इंस्टीट्यूट के सचिव को शोध-निबन्ध तैयार करने के लिए उसके द्वारा चुने गए विषय से अवगत करना होगा। उसे प्रस्तावित शोध-निबन्ध की रूपरेखा भी प्रस्तुत करनी होगी। सचिव द्वारा संबंधित कमेटी के अध्यक्ष से परामर्श के पश्चात अभ्यर्थी को अन्तिम शोध-निबन्ध के तैयार करने में की जाने वाली किसी भी वृद्धि, कमी अथवा परिवर्तनों की सूचना रूपरेखा की प्राप्ति की तिथि से एक माह के अन्दर दे दी जाएगी।

(2) कमेटी के अध्यक्ष द्वारा, अभ्यर्थी का उसके शोध-निबन्ध की तैयारी में मार्ग-दर्शन के लिए, एक व्यक्ति नियुक्त किया जाएगा। मार्ग-दर्शक का चयन कमेटी द्वारा इस उद्देश्य के लिए बनाई गई व्यक्तियों की एक स्वीकृत सूची में से किया जायगा। अभ्यर्थी को उसके शोध-निबन्ध में मार्गदर्शन करने वाले व्यक्ति के नाम की सूचना सचिव द्वारा दी जायगी।

(3) अभ्यर्थी को उपर्युक्त 2 के अन्तर्गत दी गई सूचना की प्राप्ति की तिथि से नौ माह के अन्दर शोध-निबन्ध प्रस्तुत करना होगा।

(4) शोध-निबन्ध रु० 150 के शुल्क सहित पांच प्रतियों में प्रस्तुत करना होगा। शुल्क अप्रतिदेय होगा।

(5) कमेटी द्वारा, उचित मामलों में, शोध-निबन्ध प्रस्तुत करने की अपेक्षित अवधि को बढ़ाया जा सकता है, पर वह तीन माह से अधिक नहीं होगी।

(6) शोध-निबन्ध अंग्रेजी भाषा में हो तथा चुने गए क्षेत्र में अभ्यर्थी के प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के परिणामों को सम्मिलित करता हो । अभ्यर्थी को शोध-निबन्ध के साथ एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करना होगा कि किस प्रकार शोध-निबन्ध के बनाने में उसका व्यावहारिक अनुभव उपयोगी सिद्ध हुआ है तथा शोध-निबन्ध के क्षेत्रों में जहां नये-नये तथ्य सामने आए हैं, जो प्रबन्धकों एवं स्काउटिंग प्रोफेशन्स में लाभ कारी हो सकते हैं । अभ्यर्थी को एक अन्य विवरण भी देना होगा जिसमें उसे अपने शोध-निबन्ध को तैयार करते समय ली गई सहायता के साधनों का तथा जिस स्तर तक वह सामान्य संदर्भ पुस्तकों से उपलब्ध सामग्री पर अपने अध्ययन हेतु निर्भर रहने का विवरण देना होगा ।

(7) शोध-निबन्ध की प्राप्ति पर, सचिव कमेटी से परामर्श के पश्चात् उसे एक रेफरी अथवा बोर्ड आफ रेफरी (संख्या में तीन से अधिक नहीं) को भेजेगा, जो शोध-निबन्ध की कोटि (क्वालिटी) पर विचार देंगे । कमेटी द्वारा नियुक्त रेफरी/रेफरीज शोध-निबन्ध की प्राप्ति की तिथि के दो माह के अन्दर परामर्श देंगे कि क्या शोध-निबन्ध स्वीकृति के लिए योग्यता की पर्याप्त उच्च श्रेणी का है ।

(8) रैफरी/रैफरीज का निर्णय सचिव द्वारा, कमेटी को विचारार्थ प्रस्तुत करने के पश्चात् अभ्यर्थी को सम्प्रेषित कर दिया जायगा । शोध-निबन्ध की योग्यता एवं श्रेणी पर रेफरीज के बीच किसी प्रकार के मतभेद के मामले में, अन्तिम निर्णय कमेटी द्वारा किया जायगा ।"

III. अनुसूची "ए" में फार्म "32" के पश्चात् फार्म "33" निम्नानुसार) जोड़ लिया जाए:—

"फार्म "33"

[शेड्यूल 'डी' का पैराग्राफ 1 देखें]

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेण्टेस आफ इंडिया

(एम्बलेम)

कॉर्पोरेट मैनेजमेन्ट कोर्स

यह प्रमाणित किया जाता है कि ————————ने इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस आफ इंडिया द्वारा कार्पोरेट मैनेजमेन्ट कोर्स के लिए जो ली गई परीक्षा उतीर्ण कर ली है तथा सफलतापूर्वक शोध-निबन्ध भी प्रस्तुत कर दिया है ।

इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की सामान्य मुहर के अन्तर्गत 19— के दिवस———— को जारी किया गया ।

सचिव"

(सील)

सं० 8 सी०ए० (1)/9/74-75—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खंड (तीन) के अनुसरण में एतत्-द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके नामों के आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्रों को रखने के इच्छुक नहीं :—

क्र० सं०	स० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	776	श्री एस० के० घोष, एफ० सी० ए०, 23, बालीगंज टेरेस, कलकत्ता-19	31/10/74 से 30/6/75
2.	13543	श्री एम० जे० पटेल, ए० सी० ए०, 101, एसुतोष सोसाइटी, करेली बाग, बड़ौदा ।	25/9/74 से 30/6/75
3.	13627	श्री एस० एन० चन्दक, ए० सी० ए०, सी/ओ एम/एस जैन गणेश इंडस्ट्रीज, रामगोपाल रोड, निज़ामाबाद (ए० पी०)-503001	28/10/74 से 30/6/75

सं० 4सी०ए० (1)/12/74-75—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतत् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	स०सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	32	श्री एम० डी० दरवारी, सूट नं० 6, 134, ब्रिटिश इण्डियन स्ट्रीट, कलकत्ता ।	14/10/73
2.	8133	श्री सलिल बारन देव राये, ब्लाक 10 प्लेट नं० 1, राजन्त पार्क, हाउसिंग इस्टेट, 131, नेताजी, सुभाष रोड, कलकत्ता-40 ।	3/10/74

टी० एस० ग्रेवाल,
कार्यवाहक सचिव

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 दिसम्बर 1974

सं० 1-सी० ए० (75)/74—चार्टर्ड एकाउण्टैण्ट्स रेगुलेशन, 1964 में किए जाने वाले निम्नांकित मसविदा जो चार्टर्ड एकाउण्टैण्ट्स एक्ट 1949 (1949 का 38वां एक्ट) के भाग 30 के उप-भाग (1) एवं (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए प्रस्तावित किया गया है और उसके द्वारा

प्रभावित होने वाले समस्त व्यक्तियों की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मसविदे पर 10 फरवरी, 1975 को अथवा उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

उपर्युक्त मसविदे के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से निर्दिष्ट तिथि से पूर्व प्राप्त किसी भी आपत्ति अथवा सुझाव पर कौंसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउण्टैण्ट्स आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जाएगा ।

उपर्युक्त रेगुलेशन में :—

1. रेगुलेशन 32 ए में से उप-रेगुलेशन (2) तथा इसके अनुबन्ध निकाल दें ।

2. रेगुलेशन 34 बी में, वर्तमान उप-रेगुलेशन (4) के लिए निम्नांकित बदल लें :—

"(4) यदि उप-रेगुलेशन (3) में उल्लिखित निर्धारित समय के अन्तर्गत विवरण प्राप्त नहीं होता है तो सचिव देरी को माफ कर सकता है, यदि उसे सदस्य द्वारा यह संतुष्टि दे दी जाती है कि वह समय पर विवरण भेजने में असमर्थ रहा है तथा यदि वह सेवा आरम्भ की तिथि से 16 और 30 दिन के अन्दर सदस्य से उसे प्राप्त कर लेता है और ऐसा न होने पर सचिव उसके द्वारा उपर्युक्त को प्राप्त करने से पूर्व 16वें दिवस को सेवा आरम्भ करने की तिथि मान लेगा । यदि सचिव द्वारा सेवा आरम्भ करने की तिथि परिवर्तित की जाती है तो वह सदस्य को सूचित करेगा जो आर्टीकल में समुचित परिवर्तन कर लेगा ।

3. रेगुलेशन 48 बी में से उप-रेगुलेशन (4) तथा उसके अनुबंध निकाल लें ।

4. रेगुलेशन 48 बी में, वर्तमान उप-रेगुलेशन (5) के लिए निम्नांकित बदल लें :—

"(5) उप-रेगुलेशन (2) में उल्लिखित निर्धारित समय के अन्तर्गत पंजीकरण के लिए आवेदन प्राप्त नहीं होता तो सचिव देरी को माफ कर सकता है, यदि उसे सदस्य द्वारा यह संतुष्टि दे दी जाती है कि वह समय पर विवरण भेजने में असमर्थ रहा, यदि वह सेवा आरम्भ करने की तिथि से 16 और 30 दिन के अन्दर सदस्य से आवेदन पत्र प्राप्त कर लेता है और ऐसा न होने पर सचिव उसके द्वारा उपर्युक्त को प्राप्त करने से पूर्व 16वें दिवस को सेवा आरम्भ करने की तिथि मान लेगा । यदि सचिव द्वारा सेवा आरम्भ करने की तिथि में परिवर्तन किया जाता है तो वह सदस्य को इस परिवर्तन से सूचित करेगा ।"

टी० एस० ग्रेवाल
कार्यकारी सचिव

दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस आफ इण्डिया

कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1974

(कास्ट एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 11 सी० डब्ल्यू० आर० (32)/74—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि मिश प्रतीमा राय चौधरी, बी० एस० सी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट सेकेन्ड फ्लोर, कलकत्ता-700001 (सदस्यता-संख्या 3053) के अभ्यास करने का प्रमाणपत्र 8 जुलाई 1974 से लेकर 30 जून 1975 तक के लिये रद्द किया जाता है ।

सं० 16 सी० डबल्यू० आर० (71-136)/74—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्टस रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस आफ इन्डिया के परिषद ने कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस अधिनियम 1959 की धारा 20 की उप-धारा (1) का वाक्य (सी०) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों को निर्धारित शुल्कों का भुगतान नहीं करने के कारण सदस्य पंजिका से हटा दिया।

एम०/100
श्री रुद्रपटना शमइया वेंकट रमइया
3 राजकमल, पिताम्बर लेन,
महीम, बम्बई-16

एम०/179
श्री राजेन्द्र कुमार बनर्जी
अविनेशमिल्ला,
पोस्ट और ग्राम गरूप
जिला – हुगली

एम०/191
तपन कुमार विश्वास,
162/204, लेक गार्डेन्स
कलकत्ता-54 ।

एम०/206
श्री उपेन्द्र कुमार चौधरी,
93/1/ई० बैठक खाना रोड,
कलकत्ता-9 ।

एम०/283
श्री शिवकुमार ओझा,
मार्फत श्री आर० के० ओझा,
फाइनेंसियल ऐडवाइजर,
हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स,
कन्सट्रकशन लिमिटेड,
5/1, कमीशरियट रोड,
कलकत्ता-22 ।

एम०/394
श्री पी० वी० राघव राव,
सत्य सदन,
1-10-1/2, अशोक नगर,
हैदराबाद-20 ।

एम०/243
श्री आर०, कृष्णमचारी,
144, सिंधी हाउसिंग सोसाइटी,
चेमबुर, बम्बई-71 ।

एम०/247
श्री सन्तोष मोहन कुमार,
कन्ट्रोलर (कास्ट एण्ड बजट),
आफिस आफ ऐडिशनल, सी० ई० ई०,
दामोदर वैली कारपोरेशन,
मैथोन डेम, जिला-धनबाद ।

एम०/282
श्री राजकिशोर ओझा,
फाईनेंसियल एडवाइजर,
हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड,
5/1, कमिशरिएट रोड,
कलकत्ता-22 ।

एम०/521
श्री के० श्रीनिवासन,
जूनियर असिसटेंट, एक्काउन्टस,
आफिसर, टाटा इंजीनियरिंग,
लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड,
जमसेदपुर-4 ।

एम०/735
श्री मोल्टी रामा राव
मार्फत श्री एन० जोगाराव,
एल-4/19, इन्द्रनगर,
जमसेदपुर-8 ।

एम०
श्री शान्ति मुभुसन नन्दी ।
जादोपुर पार्क कलकत्ता

एम०/396
श्री लक्ष्मी चन्द सरदना,
मार्फत श्री एम० के० सरदना,
डेपार्टमेंट आफ बाइलाजी-कैमस्ट्री,
इन्डियन इन्स्टिटच्युट आफ साइन्स,
बंगलौर-12 ।

एम०/402
श्री राम रेखा लाल श्रीवास्तवा,
एक्काउन्ट आफिसर,
आर्डनेन्स पाराचुट फैक्ट्री,
कानपुर ।

एम०/403
श्री ए० मी० एस० सुब्बाराव,
1-8-155/5, मन्डले लैन,
प्रेमडरगास्ट रोड, सिकन्दराबाद-3 ।

एम०/489
श्री जे० एस० कामेश्वर राव,
सैक्ट्रेरी एण्ड चीफ एक्काउन्टस आफिसर,
ए० पी०, स्माल स्केल
इन्डस्ट्रीयल डेवेल्पमेन्ट कारपोरेशन, लिमिटेड,
बी-1-174, फेच मैदान,
हैदराबाद-4 ।

एम०/1103
श्री शम्भुनाथ मित्रा,
असिसटेंट फाइनेंसियल मैनेजर,
दी फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इन्डिया लिमिटेड,
3, एसप्लेनेड ईस्ट, कलकत्ता-1 ।

एम०/894
श्री मधुर सैन धीर,
असिसटेंट परशनल आफिसर,
नार्दन रेलवे,
पहाड़गंज, नई दिल्ली-1 ।

एम०/897
डा० बैनी प्रसाद बनर्जी,
मार्फत, ब्रीज एण्ड कफ० कम्पनी (इन्डिया) लिमिटेड,
427/जी० टी० रोड़,
हवड़ा-2 ।

एम०/935
श्री ओमप्रकाश भाटिया,
सिनियर एक्काउन्टस आफिसर,
बोकारो स्टील लिमिटेड,
बोकारो स्टील सीटी,
जिला-धनबाद ।

एम०/949
श्री अशिस नाथ राय
49/114, हिन्दुस्तान पार्क,
कलकत्ता-29 ।

एम०/978
श्री सिधेश्वर बनर्जी,
18/2, चेतला हाट रोड,
कलकत्ता-27 ।

एम०/989
श्री प्रनाब कुमार घोष,
असिसटेंट, कास्ट एक्काउन्टस्,
आफिसर, जुलोजिकल सर्वे आफ इन्डिया,
12ए०, बी०, रूसेल स्ट्रीट,
कलकत्ता-16 ।

एम०/1151
श्री वी० कृष्ण आइयर,
9, मुरूगेस मुदलियर रोड़, मद्रास-17 ।

एम०/1253
श्री जोसेफ विन्फ्रेड,

कास्ट एक्काउन्टेन्ट,
गौरडोन उडब्राफ एण्ड कम्पनी,
(मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड,
1/21, नार्थ बीच रोड,
मद्रास-1 ।

एम०/1311
श्री धिरेन कुमार दास,
एक्काउन्ट आफिसर,
मेकनेइल एण्ड बेर्री लिमिटेड,
किल्बर्न डिविजन,
34/1, डाइमन्ड हारबर रोड,
कलकत्ता-27 ।

एम०/1324
श्री ए० लक्ष्मी पाथी,
ई०/293, हास्पीटल रोड, ब्लाक-2,
नईवेली-1 ।

एम०/1326
श्री राजेश्वर दयाल माथुर,
डी-6, राजपथनगर III
नई दिल्ली-24 ।

एम०/1370
श्री प्रेमशील चोपड़ा,
338, रानी बाग,
शकुरबस्ती, दिल्ली-34 ।

एम०/1419
श्री स्वामीनाथन शकरन,
6, जेठनगर,
राजा अन्नामलइपुरम,
मद्रास-28 ।

एम०/1079
श्री समीर वरन डेवानजी,
44, गंगुली बगान ईस्ट,
अशोक ट्रस्ट गरिया,
जिला-24 परगनाज,

एम०/1532
श्री केवल कृष्ण कुमार
221, सैक्टर 33 अ,
चन्डीगढ़-20 ।

एम०/1534
श्री आर० एस० केसवान,
एम० आई० जी० फ्लैट 17-अ
"1" एवन्यू
इन्दीरा नगर, अदयार,
मद्रास-20 ।

एम०/1559
श्री इ० एस० रंगानाथन,
20, वैल्स रोड, इंरीपलीसेन,
मद्रास-5 ।

एम०/1601
श्री रमेश चन्द माथुर,
18/1 बी, स्वीण स्ट्रीट,
कलकत्ता-19 ।

एम०/1607
श्री ए० के० रामचन्द्रन,
फाईनैंस इक्सीकियूटीव,
मैडिकेयर फर्मासीयुटीकल्स प्राइवेट, लिमिटेड,
मकी बिहार रोड,
बम्बई-72 ।

एम०/1483
श्री रामेश चन्दर तिवारी,
पी०-173 मनेशनगर,
अम्बाला कंटोनमेंट,

एम०/1498
श्री लक्ष्मण टी० भाभमानी,
फ्लैट 10, पुष्पा विहार-2,
159, कोलाबो रोड,
बम्बई-5 ।

एम०/1722
श्री जुगमेंदर दास,
मार्फत, केदारनाथ विशनलाल,
पोस्ट-मंगलौर टाउन,
जिला सहारनपुर (यू० पी०) ।

एम०/1786
श्री सुकदेव राज बैहता,
डिपुटी मैनेजर (एक्काउन्टस)
फूड कारपोरेशन आफ इन्डिया,
4, मेधु लेन,
कलकत्ता-1 ।

एम०/1795
श्री वी० रमानी
सैक्टर आफिसर (एक्काउन्टस ii),
इन्डियन काउन्सील आफ एग्रीकल्चरर रिसर्च,
नई दिल्ली-1 ।

एम०/1872
श्री के० सुन्दर राजन,
6अ/72 वेस्टर्न इक्सटेंसन एरिया,
करोलबाग,
नई-दिल्ली-5 ।

एम०/1608
श्री के० एन० राममूर्ति,
15, लक्ष्मण निवास,
नियर कोलिवदा रेलवे स्टेशन,
सिआन ईस्ट, बम्बई-22 ।

एम०/1649
श्री देवदास चटर्जी,
3/अ, लटू बाबू लेन,
कलकत्ता-6.

एम०/1703
श्री ए० श्रीनिवासन,
असिसटेंट, एकाउन्टस आफिसर,
आफिस आफ मैनेजिंग डाइरेक्टर,
कोठागुडियम कोल्लीयरीज,
पोस्ट: कोठागुडियम कोल्लीयरीज,
जिला: खम्माम ।

एम० 1705
श्री देविन्दर पी० वैद्य,
ग्राम और पोस्ट: बगली,
जिला—कांगरा,
हिमाचल-प्रदेश ।

एम०/1721
श्री वनहारम जगन्नाथन,
14-बी, दुर्रयस्वरी रोड,
मद्रास-17 ।

एम०/2146
श्री जुगलकिशोर गवरानी
346, प्रेश-स्ट्रीट, सदर बाजार,
नई दिल्ली-6 ।

एम०/1949
श्री अवधेश कुमार सिन्हा,
1, मुखर्जी पाड़ा लेन,
श्रीरामपुर, जिला हुगली ।

एम०/1967
श्री राधेश्याम खंडलवाल,
मार्फत, मैसर्स, श्यामलाल मदन गोपाल,
आइरन मरचेंट्स चौड़ा रास्ता,
जयपुर-3 ।

एम०/2022
श्री मदन लाल शर्मा,
असिसटेंट एक्काउन्टस आफिसर,
पंजाब एग्रीकल्चरर यूनिवरसीटी,
हिस्सार, हरयाना ।

एम०/2053
श्री जय दयाल
एच-72 श्री निवासपुरी
नई दिल्ली ।

एम०/2119
श्री धनुषधारी चौधरी,
एक्काउन्टस इक्जीक्युटीव,
फाईनेन्स एण्ड एक्काउन्टस डेपार्टमेंट,
बोकारो स्टील लिमिटेड,
बोकारो स्टील सीटी,
जिला-धनबाद ।

एम०/2290
श्री वाई० चलपथी,
जूनियर डिविजीनल एक्काउन्टेन्ट,
टेलेग्राफ इंजिनियरिंग डिवीजन,
हुबली डिवीजल,
हुबली-21 ।

एम०/2153
श्री सुदर्शन लाल कनसल,
मार्फत, श्री रामनारायण कनसल,
कनसल विल्डीग पो०-कोठापुर,
जिला-भटिंडा, पंजाब ।

एम०/2193
श्री जीवनलाल सेखरी,
मार्फत, श्री शान्ति नाथ सेखरी,
सोधियम स्ट्रीट, धुरी,
जिला: संगरूरल पंजाब,

एम०/2278
श्री सी० टी० सीव मुर्ती,
कास्ट एक्काउन्टेन्ट,
बुट्स पुर ड्रग कम्पनी (इन्डिया) लिमिटेड,
17, निकोल रोड, बम्बई-1 ।

एम०/2284
श्री कुचि भोटला, वेंकटेसवरल,
1-1-336/119, विवेकनगर
चिक्कडपल्ली,
हैदराबाद-20 ।

एम०/2367
श्री एन० श्रीराम मुर्ती
12-1-1264, शान्तिनगर,
सेकन्दराबाद-17 ।

एम०/2463
श्री मृतुंजय घोष,
कास्ट असिसटेंट, पलानिंग सेक्शन,
एन० सी० डी० सी० लिमिटेड,
दरभंगा हाउस,
रांची ।

एम०/2294
श्री टी० एन० गनेशन,
एस०/ओ०, श्री आर० नटराज-आइयर,
13, कृष्णपुरम,
मद्रास-24 ।

एम०/2297
श्री पी० सी० हरीदास,
कास्ट एक्काउन्टस आफिसर,
आफिस आफ एरिया जेनेरल-मेनेजन,
एन० सी० डी० सी० लि०

सुदमाडीह,
पोस्ट-लालपुर फुटाह
जिला: धनवाद ।

एम०/2301
श्री के० वी० कृष्णमूर्ति,
असिसटेंट, एक्काउन्टस आफिसर (कास्टीग)
मद्रास एटामिक पावर प्रोजैक्ट,
कलपक्कम,
जिला: चिंगलीपुर ।

एम०/2335
श्री गोकल चन्द वैद्य,
128/20, हाजरा रोड,
कलकत्ता-26 ।

एम०/2572
श्री के० सुब्रमनियम,
मार्फत श्री के० रंगनाथन,
6, हैदरबस्ती, फस्ट फ्लोर,
सिकन्दराबाद-3 ।

एम०/2629
श्री आर० वेंकटरामन,
सिस्टमस मैनेजर,
दी ब्रटेनिया बिस्कुट कं० लिमिटेड,
'निर्मल बीसवां फ्लोर, नरिमन प्लाइंट,
बम्बई-1 ।

एम०/2471
श्री सुप्ती रंजन मजुमदार,
एक्काउन्टस डेपार्टमेंट,
स्टेट बैंक आफ इन्डिया,
1, स्ट्रांड रोड, कलकत्ता-1 ।

एम०/2661
श्री श्रीधर अनन्त मनथी,
11, सेकेन्ड क्रास,
कोवन्दरामपुरम, मालेश्वरम,
बंगलोर-3 ।

दिनांक 25 नवम्बर, 1974

सी० डब्ल्यू० आर०(2)/74—दी कास्ट एन्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस रैग्युलेशन्स 1959 में दी कास्ट एन्ड वर्क्स एक्काउटेन्टस अधिनियम, 1959 की धारा 39 की उप धाराओं (1) और (3) के द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए कुछ संशोधनों के निम्न प्रारूप सभी लोगों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है । इससे प्रभावित सभी लोगों को सूचना दी जाती है कि प्रारूप पर 31 जनवरी, 1975 या उसके बाद विचार किया जायेगा ।

दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट आन्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस आफ इंडिया के परिषद के द्वारा उपरोक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से किसी प्रकार की आपत्ति या राय निश्चित दिनांक के पहले प्राप्त होगी तो उस पर विचार किया जायेगा ।

कहे हुए रेग्युलेशन्स मे

1 वर्तमान रेग्युलेशन 32 ए के सब रेग्युलेशन्स (4) के लिए निम्न नया सब रैग्युलेशन्स (4) स्थानापन्न किया जायेगा, जैसे :—

(4) जो परीक्षार्थी इन्टरमिडीएट परीक्षा जो रैग्युलेशन 31 या रैग्युलेशन 32 के अनुसार हुआ था और जो ग्रुप I या ग्रुप II में उत्तीर्ण नहीं हुआ परन्तु किसी पेपर में कुल अंक का कम से कम 60 प्रतिशत उपरोक्त ग्रुप I या ग्रुप II में प्राप्त किया हो उसे उस पेपर में छूट मिल जायेगी ।

वर्तमान रैग्युलेशन 35 ए के सब-रैग्युलेशन के लिए निम्न नया सब-रैग्युलेशन स्थानापन्न किया जायेगा, जैसे :—

(2) जो परीक्षार्थी फाइनल परीक्षा के ग्रुप I या III जो रैग्युलेशन 34 के अनुसार हुआ था या फाइनल परीक्षा के ग्रुप I या ग्रुप II जो रैग्युलेशन 35 के अनसार हुआ था, परन्तु उस एक विषय में

(I) जहां उस विषय में एक पेपर हो कुल अंक का कम से कम 60 प्रतिशत या

(II) जहां किसी विषय में एक पेपर से अधिक पेपर हो कुल अंक का कम से कम 40 प्रतिशत प्रत्येक पेपर में और कम से कम कुल का 60 प्रतिशत सभी पेपरों का कुल अंक का, प्राप्त किया हो उसे छूट दी जायेगी ।

ऊपर के संशोधनों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी

निम्नांकित व्याख्यात्मक टिप्पणी अधिसूचना संख्या सी० डब्ल्यू० आर (2)/74 दिनांक 25 नवम्बर 1974 में प्रस्तावित संशोधनों पर है । इस टिप्पणी का उद्देश्य संशोधनों में निहित अभिप्राय को परिषद द्वारा स्पष्ट करना है । और इन संशोधनों के क्षेत्र में किसी तरह का प्रतिबन्ध या विस्तार करना नही है ।

संख्या के परिषद ने छूट जो किसी विषय में (कास्टिंग विषय के अलावे) संख्या की अपनी परीक्षाओं के कार्य के आधार पर दी जाती है पुनः प्रवर्तित के प्रश्न पर विचार किया है और यह तय किया गया है कि यह छूट उन्हीं को दी जायेगी जो किसी एक विषय कास्टिंग के अलावे में कुल अंक का सम्पूर्ण 60 प्रतिशत प्राप्त किया हो ।

एस० एन० घोष,
सचिव

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1974

सं० संदर्भ: के०/2045/पी०डी०(टी०)/स्था०-7/2492—20 सितम्बर, 1974 का आदेश सं० के०/2045/पी० डी०(टी०)/

स्था०-7/1914, जिसकी एक नकल श्री वाई० वी० कोयडे को उनके स्थानीय और घर दोनों पते से रजिस्ट्री भेजी गई थी और अवितरित लौट आई, नीचे प्रकाशित किया जाता है।

20 सितम्बर, 1974

संदर्भ: के/2045/पी० डी० (टी) / स्था०-1914-7

आदेश

18 जून 1973 के नियुक्ति प्रस्ताव सं० पी० ए०/80 (23)/71-आर० III के पैरा 1(ए०) और 4-7-1973 के ज्ञापन सं० पी० ए० के०/2045/आर० III के निबंधनों के अनुसार मैं इस अनुसंधान केन्द्र के परीक्षणाधीन अस्थायी ड्राइवर ग्रेड-1 श्री वाई० वी० कोयडे की सेवाएं इसके द्वारा तत्काल समाप्त करता हूं।

टी० वी० रंगराजन

अध्यक्ष, कार्मिक विभाग

संचार मंत्रालय

डाक तार बोर्ड

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 नवम्बर 1974

सूचना

सं० 25/90/74-एल० आई०;—श्री भरपूर सिंह पटवाल की क्रमांक 128630-सी० दिनांक 5 मार्च, 1971 की 3000/- रु० की डाक जीवन बीमा पालिसी उनके/विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसी का भुगतान रोक दिया गया है। उपनिदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमेदार के नाम पालिसी की दूसरी प्रति जारी करने के अधिकार दे दिए गए हैं। जनता को चेतावनी दी जाती है कि मूल पालिसी के संबंध में कोई लेन देन न करें।

दिनांक 16 दिसम्बर 1974

सूचना

सं० 25/93/74-एल० आई०—श्री जी० एम० हुसैन की क्रमांक 149817-पी० दिनाक 6-5-1969 की 10,000 रुपये की डाक जीवन बीमा पालिसी उनके/विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसी का भुगतान रोक दिया गया है। उपनिदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमेदार के नाम पालिसी की दूसरी प्रति जारी करने के अधिकार दे दिए गए हैं जनता को चेतावनी दी जाती है कि मूल पालिसी के संबंध में कोई लेन-देन न करें।

र० ना० डे, निदेशक।

डाक जीवन बीमा

भारतीय जीवन बीमा निगम

विभेदी बोनस के लिए पालिसियों का वर्गीकरण

भारतीय जीवन बीमा निगम (विभेदी बोनस के लिए पालिसियों का वर्गीकरण)

विनियम, 1961 में संशोधन

जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 49 (1956 का 31) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार पूर्वानुमोदन के साथ, भारतीय जीवन बीमा निगम निम्न-लिखित नियम बनाकर भारतीय जीवन बीमा निगम विभेदी बोनस के लिए पालिसियों के वर्गीकरण) विनियम, 1961 में संशोधन करता है, अर्थात्

1. ये विनियम भारतीय जीवन बीमा निगम (विभेदी बोनस के लिए पालिसियों का वर्गीकरण) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1974 कहे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (विभेदी बोनस के लिए पालिसियों के वर्गीकरण) विनियम, 1961 में, विनियम 8 के बाद निम्नलिखित विनियम सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात:

8-क० इन विनियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात को निष्प्रभ किये बिना, 1-4-1973 को या उसके बाद जारी की गयी पालिसियों पर घोषित बोनस इन पालिसियों में निहित होगा यदि ऐसी पालिसियां बीमे की पूरी रकम के लिए उसकी संबद्ध आरम्भिक तिथि से पांच वर्षों के लिए चालू रही हों;

शर्त यह है कि जहां पांच वर्षों की उक्त अवधि में, मृत्यु आने के कारण, बीमे की पूरी रकम दावों के रूप में देय हों उन पालिसियों पर इस विनियम में अन्तर्विष्ट कोई बात लागू नहीं होगी।

आर० एम० मेहता,

मैनेजिंग डाइरेक्टर

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

गुजरात प्रादेशिक कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1974

क्रमांक सं०जी०/ए०डी०एम०/228 (कोन्स्टी)/74—स-संदर्भ इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक जी०/ए०डी०एम०/228 (कोन्स्टी)/74 दिनांक 26 जून, 1974 भारत सरकार के राज पत्र विभाग 3, खण्ड 4 दिनांक 6 जुलाई, 1974 के पृष्ट 321 एवं 330/331 क्रमांक 6 पर अंकित "श्री प्रफुलचंद्र मोहन लाल जानी" के स्थान पर "श्री भगवान सिंह टी राजपूत, जनरल सेक्रेटरी, केम्बे टेक्सटाइल मजदूर यूनियन, शासक कोग्रेस, रूबी हाउस, स्टेशन रोड, केम्बे" पढ़ा जाये। अध्यक्ष, क्षेत्रिय मण्डल, गुजरात ने श्री प्रफुलचन्द मोहन लाल जानी की कर्मचारी राज्य बीमा, सामान्य अधिनियम (1950) के अधिनियन 10-ए० (4) (ii) के अन्तर्गत, लोकल कमेटी, बोम्बे की सदस्यता से वंचित कर दिया है।

दिनांक 3 दिसम्बर 1974

सं० जी०/ए० डी० एम०/249 एल० सी० (अहमदाबाद) (कोन्स्टी)/72—ससंदर्भ इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक जी०/ए० डी० एम०/249 एल० सी० (अहमदाबाद) (कोन्स्टी) 72, दिनांक 13 दिसम्बर, 1972 भारत सरकार के राज पत्र विभाग 3 खण्ड 4 दिनांक 6 जनवरी, 1973 के पृष्ट 4 एवं 10 क्रमांक 6 पर अंकित "श्री अनिलभाई चीनुभाई" के स्थान पर "श्री दिलिप आर० परिख, द्वारा गुजरात चेम्बर्स ओफ कोमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीस, रणछोडलाल रोड, पो० बो० नं० 4050, अहमदाबाद-9" पढ़ा जाए। 'श्री अनिलभाई' चीनुभाई द्वारा दिया गया इस्तीफा अध्यक्ष, क्षेत्रिय मण्डल, गुजरात ने स्वीकार कर लिया है।

आज्ञा से

एस० सहाय, सचिव

प्रादेशिक निदेशक एवं

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES

Calcutta-700001, the 19th November 1973

Ref. No. DNBC.25/DG(S)-73.—In exercise of the powers vested in the Reserve Bank of India by sub-clause (iv) of clause (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 2 of the Non-Banking Non-Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966, the Reserve Bank hereby notifies the Pradeshiya Industrial and Investment Corporation of Uttar Pradesh Limited as a financial institution for the purposes of the above sub-clause.

Ref. No. DNBC.26/DG(S)-73.—In exercise of the powers vested in the Reserve Bank of India by sub-clause (iv) of clause (d) of sub-paragraph (1) of paragraph 3 of the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1973, the Reserve Bank hereby notifies the Pradeshiya Industrial and Investment Corporation of Uttar Pradesh Limited as a financial institution for the purposes of the above sub-clause.

S. S. SHIRALKAR,
Deputy Governor

DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND DEVELOPMENT

Bombay-400001, the 2nd December 1974

Ref. DBOD. No. App.832/C.452(K.25 A)74.—In exercise of the powers under sub-section (1) of section 41 of the State Bank of India Act, 1955, and in consultation with the Central Government, the Reserve Bank of India has appointed.

1. Messrs. M. K. Dandekar & Co., Madras.
2. Messrs. Lovelock and Lewes, Calcutta.
3. Messrs. N. M. Raiji & Co., Bombay.
4. Messrs. Khanna & Annadhanam, New Delhi.
5. Messrs. J. N Sharma & Co., Kanpur.
6. Messrs. M. Bhaskara Rao & Co., Hyderabad.
7. Messrs. R. D. Joshi & Co., Indore.
8. Messrs. K. Pandeya & Co., Patna.
9. Messrs. Apaji Amin & Co., Ahmedabad.

as Auditors of the State Bank of India until the next annual general meeting of the said bank.

R. K. HAZARI,
Deputy Governor

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
NOTICE

Bombay, the 22nd November 1974

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri T. Krishnamurthi has assumed charge as Officiating Chief Manager, Netaji Subhas Road Branch, as from the close of business on the 4th November 1974.

The 25th November 1974

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri Mohinder Singh has assumed charge as Chief Regional Manager, Shillong, as from the close of business on the 24th August 1974.

The 9th December 1974

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri K. S. Thandayuthapani has assumed charge as Chief Manager, Delhi Branch, as from the close of business on the 16th November 1974, *vice* Shri K. S. Vijayaraghavan.

P. C. D. NAMBIAR,
Dy. Managing Director,
(Personnel & Services)

Bombay-1, the 29th November 1974

SBS. No. 9/1974.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri A Narsing Rao, 15-2-253, Maharaj Gunj, Hyderabad-12, as a Director of the State Bank of Hyderabad for a term of three years from the 29th November 1974 to the 28th November 1977 (inclusive) in place of Shri A. K. Chellani, who will cease to be a Director from today.

R. K. TALWAR
Chairman

STATE BANK OF MYSORE
EXECUTIVE COMMITTEE

Bombay, the 26th November 1974

In terms of sub-regulation (3) of Regulation 38 of the Subsidiary Banks General Regulations, 1959, and with reference to my Notification SBS No. 8/1974 of date, Shri O. P. setia, Addl. Chief Officer (Subsidiary Banks), State Bank of India, Central Office, Bombay, is hereby nominated to serve on the Executive Committee of the State Bank of Mysore *vice* Shri S. D. Borkar with immediate effect.

R. K. TALWAR,
Chairman

STATE BANK OF INDIA

Bombay, the 9th December 1974

NOTICE is hereby given that the Principal Register and the Branch Registers of the State Bank of India will be closed for transfer of shares from Monday, the 10th March 1975 to Monday, the 24th March 1975, both days inclusive.

R. K. TALWAR,
Chairman

Bombay, the 2nd December 1974

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri M. Prasad, has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 21st November 1974.

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri R. H. Bhave has been appointed as Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 26th November 1974.

A. B. MAJUMDAR,
Dy. Managing Director (Operations)

STATE BANK OF INDORE

(Subsidiary of the State Bank of India)
Incorporated in India under Special Statute
The Liability of the Members is limited
NOTICE

Indore, the 10th December 1974

NOTICE IS hereby given that the Register of Shareholders of the State Bank of Indore will be closed for transfer of shares from Monday the 20th January 1975 to Monday the 3rd February 1975, both days inclusive.

By order of the Board of Directors,

B. K. MOOKERJEA,
Managing Director

STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

(Subsidiary of the State Bank of India)

Incorporated in India under special Statute The Liability of the Members is Limited

Jaipur, the 27th December 1974

NOTICE is hereby given that the register of shareholders of the Bank shall remain closed from Mondy the 27th January 1975 to Monday the 10th February 1975 both days inclusive.

By Order of the Board,

SATYA DEV, Managing Director.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

New Delhi-110001, the 28th November 1974

No. 23-AR(1)/W/64.—In modification of its notification No. 23-AR(1)/W/64, dated 11th September 1974, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify in exercise of powers conferred under Rule 6 of Chartered Accountants Students' Association Rules, that the meeting of the Western India Chartered Accountants Students Association to be held on 30th November 1974 (instead of 30th September 1974) be deemed to be properly and validity held.

The 22nd December 1974

No 23-AR(SA)/D/59—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Chartered Accountants Students Association Rules, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India hereby notifies as under :—

WHEREAS according to Rule 34 of the Chartered Accountants Students' Association Rules the Annual General Meeting of Students Association is required to be held between 15th May and 5th June each year.

AND WHEREAS due to unavoidable circumstances the Annual General Meeting of the Northern India Chartered Accountants Students' Association could not be held between 15th May and 15th June 1974

AND WHEREAS a difficulty has arisen in giving effect to the provisions of the said Rules.

Now, therefore, the Central Council, under the powers referred to above, notifies that the Annual General Meeting of the Members of the Northern India Chartered Accountants Students' Association to be held on 4th January 1975 be deemed to be properly and validly held.

T S GREWAL,
Acting Secretary

The 6th December 1974

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No 1-CA(71)/74—The following draft of certain amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, incorporating a Post Graduate Course in Corporate Management therein, which it is proposed to make in exercise of the powers conferred by Sub-Sections (1) and (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (Act XXXVIII of 1949), is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after 28th February, 1975

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi

POST GRADUATE COURSE IN CORPORATE MANAGEMENT In the said Regulations :—

I In Regulation 179 dealing with "Higher training for members" the words "Schedules 'C' and 'D'" be substituted in place of the existing words "Schedule 'C'".

II After Schedule 'C' insert the following as Schedule 'D' —

"SCHEDULE 'D'"

Post Graduate Training

1. *Corporate Management Course*

The Corporate Management Course shall include a course of theoretical training and knowledge and a certificate in the appropriate Form shall be granted to those who qualify for the same, as hereinafter provided

2. *Administration*

Notwithstanding anything contained in Regulation 152 the Corporate Management Course shall be in charge of a Committee appointed by the Council for the purpose, whose functions shall include holding of the examination, admission thereto, appointment and selection of examiners, prescription of books for the guidance of candidates declaration of results and other allied matters.

3. *Admission to the course*

(1) No candidate shall be admitted to the course unless he is a member of the Institute and has been

(a) a Fellow of the Institute OR

(b) an Associate with atleast 2 years practical experience in any approved business organisation, Government establishment, Public Sector Enterprise, or a firm of Management Consultants or Educational Institution

(2) The Course shall be divided into three parts. Parts I & II shall deal with written examinations in prescribed subjects and Part III with the submission of dissertation on any one of the areas specified by the Committee

(3) Every candidate for admission to Part I & II of the Course shall apply for registration at least 6 months before the commencement of the respective examination and shall pay a fee of one hundred rupees for each of the examinations.

(4) A candidate who has passed the Part I examination shall be permitted to proceed to Part II of the course. Provided he shall be permitted to sit for the part II examination only after he has submitted the case study project

(5) A candidate shall be permited to submit the dissertation as required in Part III only after passing at the Part II examination.

4 *Papers and syllabus*

(1) A candidate for the Corporate Management Course shall be examined in the subjects comprised in the following two Parts :—

PART I

Paper 1—The Human Factor in Management—100 marks.

Paper 2—Production & Productivity Management—100 marks.

Paper 3—Marketing Management—100 marks

Paper 4—Financial Management—100 marks

Paper 5—Tax Management—100 marks

Total — 500 marks

PART II

Paper 1—Organisation & Management Development—100 marks.

Paper 2—Management Control—100 marks.

Paper 3—Management Planning :

Section I—Theory of Planning—100 marks.

Section II—Practice of Planning—100 marks

Section III—Management Planning for Public Enterprises—100 marks.

Paper 4—Management Audit :
Case Study Project—100 marks.
Total — 600 marks.

(2) The minimum number of marks required for passing in a Part shall be 40% of marks in each paper of the Part and 50% of the total marks for all the papers of that Part.

Provided that the Committee concerned may at its discretion, reduce the minimum pass marks upto three marks in one or more papers and upto five marks in aggregate.

PART I

1.1. *The Human Factor in Management*

Scope : The objective of this paper is to give the candidates an insight into certain concept drawn from Behavioral Sciences like Sociology and Psychology and their applications to the processes of management *i.e.* planning, controlling and organising. While studying the concepts the candidates are urged to continually reflect on the importance of human factor at all stages in the process of management and how they could be applied in the practice of management for better results. In Section II of the paper, the candidates will review the gamut of industrial relations as developed in India today and examine the potentialities of Behavioral Sciences in improving the state of affairs. The examination should not merely test the candidates' knowledge of theory, rather it should test how the concept could be applied to work situations.

Syllabus

Section I

The importance of human factor in management—The basic concepts of human behavior in work situations : Motivation, Morale and Productivity—Behaviour of individulas and groups: Formal and informal—Anatomy of leadership—Socio Psychological dimensions of supervision (leadership)—Styles of leadership and their impact on employee morals and productivity—Participative menagement—Management of change—Group dynamics.

Section II

Industrial Relations in India : (a) The role of Trade Unions —The characteristics of Indian trade unions and their demands, (b) the role of Government : The evolution of labour policy Tripartite and bipartite consultation—Compulsory adjudication & collective bargaining, (c) The role of Management; Recognition of unions & collective bargaining—Handling grievances— Consultative management : Joint management councils—Works committees—The foundation of behavioral sciences for developing industrial relations skill as an integral part of Management Skills.

Section III

Organisation climate in public sector enterprises—The recruitment, incentive, reward and punishment systems in public sector units and their impact on individual and group motivation and behaviour—Employee productivity in public sector—Characteristics of leadership in public sector—Achievement motivation of public sector managers.

Employer—employee relations in public sector units—Approaches to participative management—Union leaders as managers—The dual role of the government as employer and regulator of industrial peace.

1.2. *Production and Productivity Management*

Scope : To make the candidates familiar with the basic production processes and to make them appreciate the dimensions of production decisions and how production forms an integral part of the total corporate management process. Production decision rather than the procedural details should be emphasised. Further, the candidates are exposed to basic productivity concepts. Although these concepts are tied together with production their application is not confined only to production activity, they could be applied to any area of operation. Hence the title, Production and Productivity Management. This is only an appreciation course and, therefore, the candidates should not be examined in the technical details. They are required to possess a conceptual understanding of the techniques

Syllabus

Production process and organisation for production—Production operations : Materials procurement and control, Product mix, Quality control, Materials handling, Layout, Scheduling, Assembling etc.—Application of Operations Research Techniques like Linear Programming, PEWT, queueing Theory Simulation—Technological obsolescence. Productivity techniques : Input-output analysis—Measurement of labour and capital productivity—Cost benefit analysis—Learning curves—Value analysis—Methods analysis; Motion study techniques—Work measurement techniques.

1.3. *Marketing Management*

Scope : To make the candidates familiar with the basic marketing processes and to make them appreciate the dimensions of marketing decisions and how marketing forms an integral part of the total corporate management process. Marketing decisions rather than procedural details of selling and distribution should be emphasised.

Syllabus

Section I

The Marketing process in terms of product, customer, channels, price, promotion and distribution—Marketing mix.

Marketing Decisions :

(a) relating to product : Product line policy, product development, product quality, brand, product obsolescence;
(b) relating to pricing : Different strategies of pricing in the context of the Indian environment;
(c) relating to distribution channels : General vs. exclusive distribution, national vs. regional distribution, direct selling vs. intermediates;
(d) relating to customer development : Institutional, rural, industrial etc.—Customer stratification;
(e) relating to logistics of distribution;
(f) relating to strategy of promotion.

Marketing Audit—Developing marketing objectives and relating them to over all objectives of the company.

Section II

The Marketing objective of public sector enterprises. Considerations involving price differential and discrimination. Product development in public sector units.

Special considerations governing distribution : System of controls and quotas—Channels of distribution : Co-operative sector, Government agencies—Public sector & export marketing—Considerations governing marketing consumer products.

Advertising and Public sector products and services.

Marketing function vis-a-vis Production function in public sector—The cost benefit analysis of marketing function in public sector.

Evaluation of "Corporate image" of public sector products and services.

1.4. *Financial Management*

Scope : The paper covers basic concepts and techniques governing the management of company funds. Management of finance involves planning and control of the flow of funds in the organisation in terms of investing and financing. The nature of financial control is distinct from accounting control in that it is directly related to managerial decision making. Therefore the entire treatment of this subject is decision centered and whatever financial analysis that is required is intended to aid top management decision making and should not be viewed as an end in itself.

Syllabus

Section I

Basic techniques of financial analysis : Fund flow analysis and patterns of investment and financing—financial ratios and evaluation of financial performance—Financial forecasting and preparation of proforma financial statement.

Working capital management : Estimating working capital requirement—Control of working capital—Inventory control and control of trade credit—Financing of working capital—The new bill market scheme—Optimal short term financing.

Long term investment (Capital expenditure) : Evaluation and control)—DCF technique—Evaluation of projects by the financial institutions in India.

Long term financing : Sources—Negotiation with financial institutions—Optimal debt—Cost of capital and investment policy—Financial considerations involving the capitalisation structure : Dividend policy, Bonus issues, convertible issues, premium issues, preference capital issues.

Valuation of shares in marger negotiations—Valuation of shares of companies not traded on the Exchange—Valuation concepts—Goodwill.

Section II

Approaches to determining financial objevtive in terms of ROI in public sector units.

The nature of problem regarding the management of accounts receivable and inventories in public sector units.

Sources of funds for public sector : Cost of loans, Cost of equity and Cost of retained earnings—The relevance of debt equity ratio for public sector units.

Capital expenditure evaluation and control in public sector units—Problems involved in determining cash flows—Cost benefits analysis.

Policies and strategies governing equity participation in public sector units. Foreign collaborations—Joint sectors.

Approaches to social valuation of shares of companies nationalised.

Social welfare services of public sector units and the question of optimal capitalisation structure—Considerations of size and synergy.

1.5. *Tax Management*

Scope : The objective of this paper is to test the candidates prudence and planning ability to keep the incidence of tax to a minimum within the framework of prevalent tax laws while handling matters affecting corporate management such as business promotion, expansion, diversification, and location. Candidates are expected to possess adequate knowledge of the previsions of the relevant Indian Tax Laws.

Syllabus

1. Tax implications in planning the legal status of business unit : Firm, private limited company and public limited company.
2. Tax implications in (a) receiving foreign collaboration, (b) giving collaboration abroad, i.e., promoting Indian business abroad : Subsidiaries, outright sale of know-how, equity participation etc.
3. Tax aspects of marger and amalgamation.
4. New industrial establishment and tax planning.
5. Tax implication of holding company vs. conglemerate expansion.
6. Company's (Profits) surtax act and financial planning.
7. Tax inventives and export promotion.
8. Personnel taxation : foreign and Indian.
9. Tax aspects of divestment.
10. Tax implications in developing capitalisation structure :

    (a) Short term loans, (2) Deposits from public, (c) Term loans, (d) Bonus issues, (e) Dividend policy.

11. Taxation of company in which public are not substantially interested.

2.1. Organisation and Management Development.

PART II

Scope : Organisation as a continuous and dynamic process provides the framework for the planning and control processes to operate. An organisation is as effective as the people working in it. Therefore, the personnel development function is inseparable from organisation development. The objective of this paper is to develop a clear understanding of the concepts and techniques centering on this theme.

Syllabus

Section I

Organisation as a means of implementing corporate planning—Relationship between planning and organising—Organisation process : activity analysis : Patterns of Grouping activities—Departmentation—Decision analysis : Authority structure and span of supervision—Relational analysis : Committee and coordination—Organisational hierarchy and communication.

Staffing : Positions vs. persons—Management of deadwood—Manpower planning process : Job evaluation techniques for executive and non-executive positions—Manpower need forecasting techniques—performance appraisal systems—Executive skill inventory—Management development practices : Rotation, Special assignment, Training, Committees etc.—Developing management succession programme.

Section II

Approaches to management development in public sector units; staffing practices—Conditions of service—Consideration of merit versus seniority—Delegation practices—Organisation levels and communication— Job enlargement and ergonomics.

Executive turnover, and Executive mobility between private and public sectors.

Management by objectives and performances appraisal in public sector—Problems of management succession in public sector units.

2.2. *Management Control*

Scope : The objective is to introduce the candidates to the basic control concepts so that they may be able to develop control systems relevant to the nature of activity of the organisation.

Syllabus

Section I

Concept of control : Operations control and management control—Key variables of managerial performance—developing objective standards for measuring the key variables—Analysis of inputs in terms of engineered, capacity and managed costs—Concept of responsibility budgeting—Reporting system for control—Control of (a) Performance of organisational units : Divisions, Departments, Cells etc.,

(b) Control of functions and activities which cut across organisational units like recruitment, training, committee work, product development, samples, promotion etc.

Information systems for control—Scope for Computerisation.

Section II

Problems of communication and control in public sector units—Coordination and internal control—Financial and cost control—Budgeting, accounting and audit in public sector units—Delegation and accountability—Authority and responsibility—Measurement of results—Ministerial and Parliamentary control.

2.3. *Management Planning*

Scope : The candidates are required not only to be generally familiar with the environmental developments but to be able to relate meaningfully each development to the corporate planning process i.e., how at the micro level macro policies of the state influence and shape corporate planning. In Paper II candidates are required to study and apply specific planning concepts and techniques.

Syllabus

Section I : Theory of Planning

The process of management planning : Development planning perspective, long range and short range—Diversification strategy—Synergy—Developing long range (five years) plan and program budgeting—Research budgeting—Period budgeting—Management by objectives.

Quantitative Techniques in Planning :

(a) Project planning : ERT and CPM.

(b) Project allocation of resource : Linear Programming

(c) Project decision : Probability Theory in Decision trees.

(d) Capital Bldgeting—DCF techniques.

(e) Queueing Theory.

(f) Simulation

Section II : Practice of Planning

The Planning environment. The socio economic political factors influencing managerial planning : Economic planning in India and economic self reliance—Unemployment and the need for employment oriented growth— Foreign exchange position and the need for import substitution, massive R&D programs and exploring new avenues of promoting India's business abroad India's joint ventures abroad—Shifts in India's import policy

Socialistic policies of the state and their impact on corporate planning : Industries (development) regulation act—Control of capital issue act—MRTP Act—Relevant portions of the Indian companies Act affecting constitution of corporate management, management control and transfer of management—Tariff commission and price regulation.

Problem areas involving perspective planning :—

1. Promotion of new business : Floatation of a subsidiary company, floating a new venture under foreign collaboration, floating Indian company in foreign countries—The law, practice and procedure relating to formation of companies —Primary steps in the formation of a company, industrial licence, project report, consents and sanctions of the government authorities, particularly in case of foreign collaborations —Initial financing and under-writing arrangements, prospects —Appointment, qualifications and remuneration of managerial personnel including directors.

2. Location : Analysis of problem involving location of production units, marketing, service/distribution units, procurement centres, maintenance centres etc.

3. Expansions : through diversification : vertical and horizontal expansion—Expansion and decentralisation—Expansion through collaboration—Expansion and Management succession—Expansion through merger and amalgamation—Legal provision governing amalgamation—expansion and public policy.

4. Stagnation and obsolescence : Problems of marketing myopia—Problems of managerial obsolescence, product/technology/usage obsolescence—Problems of financial myopia.

5. Consolidation : Stream—lining of operations, of product line, control and information systems.

6. Rehabilitation : Averting imminent failure—Rehabilitation through merger—Rehabilitating a company that has failed Rehabilitation through government intervention.

Section III—Management Planning for Public Enterprise

1. Government participation in industry—Social and political circumstances—Basic considerations governing the form of organisation for public sector enterprises : Government companies, statutory corporation and government departments—Constitution of management boards of public sector units.

2. Evaluation of public sector projects : The inseparable relationship between pricing, profitability and project evaluation Pricing policies of public sector units—Considerations involved in pricing—Inclusion of profit element in pricing—Various theories.

Special problems in appraising public projects—Concept of social profitability—The present social value of the project—The use of shadow prices and shadow wage rate—Social costs and social benefits—The rate of discount and social rate of time preference—The use of probability in decision making—Social rate of return—The welfare basis of cost benefit analysis.

3. Problems concerning location of public sector units—Economic and political considerations—Determining size of unit and economies scale of operations.

4. Problems of organisation for multi-plant, multi-product, public sector units -Concept of holding company.

5. Marketing considerations governing public-private sector competition.

6 Evaluation of public sector performance : Translating the macro economic objectives of the nation (such as growth) rate, savings rate, capital output ratio) into micro targets of public sector units in terms of :

1. Value added (Output)
2. Generation of savings
3. Capital formation rate
4 Employment generation
5 Labour productivity
6 Capital output ratio

In light of the above, evaluating the part played by public sector management in the economic development of the country.

2. *Management Audit : Case Study Project*

Paper carrying 50 marks for case study and 50 marks for oral examination based on case study. The objective of the case study project is to give an opportunity to the candidate to study in depth the operations of the company selected so as to develop an integrated perspective of the state of affairs of the company and indicate strategy for future development. The project should cover among other things :

1. A study of policies and programmes of the company in the different functional areas, over a period of time.

2. Developing some indicators for measuring objectively (as far as possible) the performance of the company in segments and in totality.

3. Identifying managerial strengths and weaknesses (limitations) of the company.

4 Appraising the ambitions and objectives of the top management *vis-a-vis* 3 above and the constraints as discussed in paper 2.3 of Management Planning.

5. Outling a program for management strategy

2. *Dissertation Carrying* 200 *Marks*

PART III

Dissertation Carrying 200 *Marks*

The objective of the dissertation is to give the candidate conceptional and analytical ability in the application of certain management concepts and techniques to certain specialised sectors of our economy as listed below. These specialised sector are of particular significance in the development of our economy. These sectors will gain increasing importance in the years to come.

The state of management in these sectors generally lags behind that of private sector. In view of their growing importance, it is necessary that adequate attention in terms of management training be paid to such sectors, which in fact do not call for anything new, except meaningful adaptation of known concepts and techniques of management. As we expect a large number of our members to go into such sectors, we should introduce them to the nature of management in such sectors. Broadly, the dissertation process should involve :

A. Developing a historical perspective of the chosen sector indicating clearly the basic linkage of management and economic development.

B. Selecting one major unit in the chosen sector for closer examination—Studying the functions peculiar to the organisation and identifying the basic management processes.

C. Diagnosing some managerial problems.

D. Outlining how certain management concepts/techniques after being adapted could be applied in the solution of the identified problems.

The dissertation should be done under the guidance of a person previously approved by the concerned Committee. The guide should be a person who has managerial experience in the chosen field as approved by the Committee.

Areas for Dissertation (any one only)

1. Management of Public Sector Industrial Enterprises.

2. Management of Financial Institutions in India (including commercial banks).

Financial Institutions & Economic Development—State Financial Institutions and the Indian Capital market—Selecting one Financial Institution for study.

3. Management of cooperative enterprises: (Industrial or marketing co-operatives)—Select any one large scale unit for study.

4. Insurance Management (Select any one of the general insurance companies or one of the divisions of L.I.C. for study).

5. Urban Management (Select one of the big municipalities for study).

6. Hospital Management (any one of the Govt. hospitals).

7. Transportation Management (Select any one of the following):

Air India
Indian Airlines
Any one of Indian Railways (some selected aspects only)
Any State Road Transport Corporation
Shipping Corporation of India

8. Union Management (any one major employees union in India)

9. Management of Educational Administration (any one of the following)

Management in University Administration

Management of any national institute of higher learning like research lab, or Institute, Institute of higher learning, Institute of Technology, Institute of Management, NCAER, Petroleum Research Institute, Indian Institute of Science, Institute of Foreign Trade etc.

10. Management in Public Administration (any one of the following):

Management of Industrial Development in any one district
Development of a backward region : Managerial approach
Community Development is a selected block of villages
Management of a major irrigation project
Management of family planning promotion
Management of housing development scheme
Adult/Rural education scheme
Agricultural development in a district
Public works management in a district
Management of Agro industry development programme

5. *Conduct of examinations*

(1) The examination may be conducted at such intervals, in such manner and at such time and places, as the Council may direct.

(2) The dates and places of the examination and other particulars shall be notified in the Gazette of India.

6. *Application for admission to examination*

An application for admission to the examination shall be made in the approved form, a copy of which may be obtained from the Secretary, and together with the prescribed fee, shall be sent so as to reach the Council in accordance with the directions given by it

7. *Refund of fee*

(1) The fee paid by a candidate who has been admitted to an examination shall not, except as otherwise provided in sub-paragraph (2) be refunded.

(2) Where a candidate applies to the Council for the transfer of fee to the next examination on the ground that he was prevented from attending the examination on account of circumstances beyond his control, the Council may permit the fee paid by such candidate to be appropriated towards the fee payable only for the next following examination :

Provided that no such application received after the expiry of fifteen days of the last date of the examination shall be considered.

8. *Declaration of result*

(1) A list of successful candidates shall be published in the Gazette of India.

(2) All the candidates shall be informed of the marks obtained in each paper.

9. *Action against candidates resorting to unfair means*

If is reported to the Committee that a candidate has resorted to or has attempted to resort to unfair means for the purpose of passing the examination the Committee shall hold an enquiry and submit a report to the Council which may, after any further investigation as it may consider necessary, take such disciplinary action against the candidate as it thinks fit :

Provided that an opportunity shall be given to the candidate of being heard before an order adverse to him is passed.

10. *Examiners*

The Committee may make such arrangements and may appoint such examiners to set question papers and value answer books as it may deem fit.

11. *Amendment of result*

In any case where it is found that the result of an examination has been affected by error, malpractice, fraud, improper conduct or other matter, of whatever nature, the Committee hereinbefore mentioned shall have the power to amend such result in such manner as shall be in accord with the true position and to make such declaration as the Committee shall consider necessary in that behalf.

12. *Procedure for evaluation of dissertation*

(1) A candidate intending to prepare dissertation under Part III of this course, shall within one month from the date of passing the examination in all the papers of Part II intimate the Secretary of the Institute, the subject selected by him for preparation of dissertation. He will also submit a synopsis of the proposed dissertation. The Secretary shall, in consultation with the Chairman of the concerned Committe advise the candidate of any additions, deletions or alterations to be made in preparation of the final dissertation within one month from the date of receipt of the synopsis.

(2) The Chairman of the Committee shall then appoint a person to guide the candidate in preparing his dissertation. The guide will be selected from a list of persons drawn for this purpose with the approval of the Committee. The candidate will be advised by the Secretary the name of the person who will guide him in preparing the dissertation.

(3) The candidate shall be required to submit the dissertation within nine months from the date of receipt of intimation under 2 above.

(4) The dissertation shall be submitted in five copies with a fee of Rs. 150 which shall not be refundable.

(5) The Committee may, in appropriate cases, extend the time required for submission of the dissertation by a period not exceeding three months.

(6) The dissertation shall be in the English language and it is expected to embody the results of the candidate's training and research in the chosen field. The candidate shall submit with the dissertation a brief statement indicating the manner in which his practical experience has been utilised in preparation of the dissertation, and the areas in the dissertation which bring out new factors which would be of value to the management and accounting professions. The candidate shall further submit a statement indicating the sources on which he has relied in preparing his dissertation and the extent to which he has based his study on material obtained from general reference books

(7) On receipt of the dissertation, the Secretary in consultation with the Committee, shall forward the same to a referee or a board of referees (not exceeding three in number)

for comments on the quality of the dissertation. The referee/ referees so appointed by the Committee shall within two months of the date of receipt of the dissertation advise whether the dissertation is of sufficiently high degree of merit to deserve approval

(8) The decision of the referee/referees shall be communicated to the candidate by the Secretary after placing the same for consideration of the Committee In case of any difference of opinion among the referees on the quality and merits of the dissertation, the final decision will be taken by the Committee'

III For '33" (as follows) may be added after Form "32" in Schedule "A" —

"FORM "33'

[See Paragraph 1 of Schedule 'D']

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

(Emblem)

Corporate Management Course

This is to certify that of . . has passed the examinations and also successfully submitted the dissertation for the Corporate Management Course held by the Institute of Chartered Accountants of India

Given under the Common Seal of the Institute of Chartered Accountants of India this day of 19 .

(Seal)

Secretary"

The 16th November 1974

No 8-CA(1)/9/74-75 —In pursuanve of clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice

SI No	Membership No	Name and Address	Period during which the Certificate shall stand cancelled
1	(2)	(3)	(4)
1	776	Shri S K Ghosh F C A, 23, Ballygunge Terrace Calcutta-19	31-10-74 to 30-6-75
2	13543	Shr M J Patel, A C A, 101, Ashutosh Society Kareli Baug Baroda	25-9-74 to 30 6-75
3	13627	Shri S N Chandak, A C A, C/o M/s Jai Ganesh Industries Ramgopal Road, Nizamabad (A P)-503001	28-10-74 to 30-6-75

The 18th November 1974

No 4-CA(1)/12/74-75 —In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations 1964 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from the dates mentioned against their names the names of the following gentlemen·

Sl. No.	Membership Nos.	Name and Address	Date of Removal
1	32	Shri M D. Darbari Suite No 6, 13, British Indian Street Calcutta	14-10-73
2	8133	Shri Sunil Baran Deb Roy, Block 10, Flat No 1, Regent Park, Housing Estate, 131, Netaji Subhas Road, Calcutta-40	3-10-1974

T S GREWAL
Acting Secy.

The 19th December 1974

No 1 CA(75)/74 —The following draft of certain amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, which it is proposed to make in exercise of the powers conferred by sub sections (1) and (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (Act XXXVIII of 1949), is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after the 10th February 1975

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India New Delhi

In the said Regulations —

1 In regulation 32A *delete* sub regulation (2) and its proviso

2 In regulation 34B, for existing sub regulation (4), substitute the following —

"(4) If the statement mentioned in sub-regulation (3) above is not received within the time specified, the Secretary may condone the delay where the member proves to his satisfaction that he was prevented from sending the statement in time if he receives the same from the member between the 16th and the 30th day from the date of commencement of service failing which the Secretary shall treat the date of commencement of service as the 16th day prior to its receipt by him If the date of commencement of service is changed by the Secretary, he shall communicate such change to the member who shall make appropriate changes in the articles

3 In regulation 48B *delete* sub regulation (4) and it's proviso

4 In regulation 48B for the existing sub-regulation (5), substitute the following :—

"(5) If the application for registration mentioned in sub-regulation (2) above is not received within the time specified the Secretary may condone the delay where the member proves to his satisfaction that he was prevented from sending the particulars in time, if he receives the application from the member between the 16th and the 30th day from the date of commencement of service, failing which the Secretary shall treat the date of commencement of service as the 16th day prior to its receipt by him. If the date of commencement of service is changed by the Secretary, he shall communicate such change to the member."

By Order
T. S. GREWAL, Acting Secretary.

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-16, the 23rd November 1974

(COST ACCOUNTANTS)

No. 11-CWR(32)/74.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Miss Pratima Ray Chaudhuri, BSC, AICWA, Old Post Office Street, 2nd Floor, Calcutta-700001, (Membership No. 3053), shall stand cancelled during the period from 8th July 1974 to 30th June 1975.

No. 16-CWR(71-136)/74.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following persons.

M/100
Shri Rudrapatna Shamiah Venkataramiah,
3, Laj Kamal,
Pitamber Lane,
Mahim,
Bombay-16.

M/179
Shri Rajendra Kumar Banerjee,
Abinash Villa,
P.O. & Vill. Gurup,
Dt. Hooghly.

M/191
Shri Tapan Kumar Biswas,
162/204, Lake Gardens,
Calcutta-54.

M/206
Shri Upendra Kumar Choudhury,
93/1/E, Baithak Khana Road,
Calcutta-9.

M/243
Shri R. Krishnamachary,
144, Sindhi Housing Society,
Chembur, Bombay-71

M/247
Shri Santosh Mohan Kumar,
Controller (Cost & Budget)
Office of Additional C.E.E.,
Damodar Valley Corporation,
Maithon Dam, Dt Dhanbad.

M/282
Shri Raj Kishore Ojha
Financial Adviser,
Hindustan Steel Works Construction Ltd.,
5/1, Commissariat Road,
Calcutta-22.

M/283
Shri Shiva Kumar Ojha,
C/o. Shri R. K. Ojha,
Financial Adviser,
Hindustan Steel Works Construction Ltd.,
5/1, Commissariat Road,
Calcutta 22.

M/394
Shri P. V. Raghava Rao,
Satya Sadan
1-10-1/2, Ashoknagar,
Hyderabad-20.

M/396
Shri Lakshmi Chand Sardana,
C/o. Shri M. K. Sardana
Department of Bio-Chemistry,
Indian Institute of Science
Bangalore-12.

M/402
Shri Ram Rekhalal Srivastava,
Accounts Officer
Ordnance Parachute Factory, Kanpur.

M/403
Shri A. V. S. Subba Rao,
1-8-155/5, Mandalay Lane,
Premdergast Road,
Secunderabad-3.

M/489
Shri J. S. Kameswara Rao
Secretary & Chief Accounts Officer,
A.P. Small Scale Industrial Decelooment Corpo. Ltd.,
B-1-174, Fatch Maidan,
Hyderabad-4.

M/521
Shri K. Srinivasan
Junior Asst. Accounts Officer
Tata Engineering Locomotive Co. Ltd.,
Jamshedpur-4.

M/735
Shri Volati Ramarao
C/o. Shri N. Jogarao,
L-4/19, Indranagar,
Jamshedpur-8

M/870
Shri Santi Bhusan Nandi
295, Jodhpur Park,
Calcutta-31.

M/894
Shri Bhaddar Sen Dhir,
Assistant Personal Officer,
Northern Railway
Paharganj,
New Delhi-1.

M/897
Dr. Bani Prasad Banerjee,
C/o Bridge & Roof Co., (India) Ltd
427/1, G.T. Road,
Howrah-2.

M/935
Shri Om Parkash Bhatia
Senior Accounts Officer, B.S. Ltd.,
Main Admn. Bldg.,
Bokaro Steel City,
Dt. Dhanbad.

M/949
Shri Ashis Nath Roy,
49/11A, Hindustan Park, Calcutta-29.

M/978
Shri Siddheswar Banerjee
18/2, Chetlahat Road,
Calcutta-27.

M/989
Shri Pranab Kumar Ghosh,
Asst. Cost Accounts Officer,
Geological Survey of India,
12 A & B, Russel Street,
Calcutta-16.

M/1079
Shri Samir Baran Dewanjee,
44,Ganguli Bagan East,
Ashok Trust,
Garis, Dt. 24 Perganas.

M/1103
Shri Sambhu Nath Mitra,
Asst. Financial Manager,
The Fertilizer Corporation of India Ltd.,
3, Esplanade East
Calcutta-1.

M/1151
Shri V. Krishna Iyer,
9, Murugesa Mudaliar Road,
Ground Floor,
Madras-17.

M/1253
Shri Joseph Winfred,
Cost Accountant,
Gordon Woodroffe & Co. (Madras) Pvt. Ltd.,
1/21, North Beach Road,
Madras-1.

M/1311
Shri Dhiren Kumar Das,
Accounts Officer,
Macneill & Barry Ltd.,
Kilburn Division
34/1, Diamond Harbour Road,
Calcutta-27.

M/1324
Shri A. Lakshmi Pathy,
E-293, Hospital Road,
Block 2,
Neyveli-1.

M/1326
Shri Rajashwar Dayal Mathur,
D-6, Lajpatnagar III,
New Delhi-24.

M/1370
Shri Prem Shil Chopra,
338, Rani Bagh, Shakurbasti,
Delhi-34.

M/1419
Shri Swaminathan Sankaran,
6, Jethnagar, Raja Aannamalaipuram,
Madras-28.

M/1483
Shri Romesh Chander Tewari,
P-173, Maheshnagar,
Ambala Cantt.

M/1498
Shri Lakshman T. Bhambhani,
Flat 10, Pushpa Vihar 2,
159, Colaba Road,
Bombay-5.

M/1532
Shri Kewal Krishan Kapur,
221, Sector 33A,
Chandigarh-20.

M/1534
Shri R. S. Kesavan,
MIG Flat 17-A,
'I' Avenue,
Indira Nagar, Adayar,
Madras-20.

M/1559
Shri E S Ranganathan,
28, Bells Road,
Triplicane,
Madras-5.

M/1601
Shri Ramesh Chandra Mathur,
10/1B, Swinhoe Street,
Calcutta-19.

M/1607
Shri A K Ramachandran,
Finance Executive,
Medicare Pharmaceuticals Pvt. Ltd.,
Saki Vihar Road,
Bombay-72.

M/1608
Shri K N Ramamoorthy,
15, Laxman Nivas,
Near Koliwada Rly. Station,
Sion East, Bombay-22.

M/1649
Shri Debdas Chatterjee,
3/A, Latoo Babu Lane,
Calcutta-6.

M/1703
Shri A Srinivasan,
Asst. Accounts Officer,
Office of Managing Director,
Kothagudium Collieries,
P.O. Kothagudium Collieries,
Dt. Khammam.

M/1705
Shri Devinder P. Vaid,
Vill & P.O. Bagli,
Dt. Kangra,
Himachal Pradesh.

M/1721
Shri Vanaharam Jagannathan,
14-8, Doraiswamy Road,
Madras-17.

M/1722
Shri Jugmander Das,
C/o M/s. Kedarnath Bishanlal,
P.O. Manglaur Town,
Dt. Saharanpur, U.P.

M/1786
Shri Sukhdev Raj Mehta,
Deputy Manager (Accounts)
Food Corporation of India,
4, Mangoe Lane,
Calcutta-1.

M/1795
Shri V Ramani
Section Officer (Accounts II),
Indian Council of Agricultural R
New Delhi-1.

M/1872
Shri K Sundara Rajan,
6A/72, Western Extension Area,
Karolbagh,
New Delhi-5.

M/1949
Shri Awadesh Kumar Sinha,
1, Mukherjee Para Lane,
Serampore,
Dt. Hooghly.

M/1967
Shri Radhey Shyam Khandelwal,
C/o M/s Shyamlal Madan Gopal,
Iron Merchants,
Chaura Resta,
Jaipur-3.

M/2022
Shri Madan Lal Sharma,
Asst. Accounts Officer,
Punjab Agricultural University,
Hissar, Haryana.

M/2053
Shri Jai Dayal,
H-72, Srinivasapuri,
Double Storey,
New Delhi.

M/2119
Shri Dhanush Dhari Choudhary,
Accounts Executive,
Finance & Accounts Department,
Bokaro Steel City.
Bakaro Steel City.

M/2146
Shri Jugal Kishore Gabrani,
346, Press Street,
Sadar Bazar,
Delhi-6.

M/2153
Shri Sudarshan Lal Kansal,
C/o Shri Ram Narain Kansal,
Kansal Building,
P.O. Kotkapura,
Dt. Bhatinda, Punjab.

M/2193
Shri Jiwan Lal Sekhri,
C/o Shri Shanti Nath Sekhri,
Sodhian Street,
Dhuri,
Dt. Sangrur, Punjab.

M/2278
Shri C T Siva Murty,
Cost Accountant,
Boots Pure Drug Co. (I) Ltd.,
17, Nicol Road,
Bombay-1.

M/2284
Shri Kuchibhotla Venkateswarlu,
1-1-336/119, Viveknagar,
Chikkadpalli,
Hyderabad-20.

M/2290
Shri Y Chalapathi,
Junior Divisional Accountant,
Telegraph Engineering Division,
Hubli Division,
Hubli-21.

M/2294
Shri T N Ganesan,
S/o Shri R. Nataraja Iyer,
13, Krishnapuram,
Madras-24.

M/2297
Shri P C Haridas,
Cost Accounts Officer,
Office of Area General Manager (CO),
N.C.D.C. Ltd.,
Sudamdih,
P.O. Lalpur Futah,
Dt. Dhanbad.

M/2301
Shri K V Krishnamurthy,
Asst. Accounts Officer (Costing),
Madras Atomic Power Project,
Kalpakkam,
Dt. Chingliput.

M/2335
Shri Gokal Chand Baid,
128/20, Hazra Road,
Calcutta-26.

M/2367
Shri N Sree Rama Murthy,
12-1-1264, Santinagar,
Secunderabad-17.

M/2463
Shri Mritunjoy Ghose,
Cost Assistant,
Planning Section,
N C D C Ltd.,
Darbhanga House,
Ranchi.

M/2471
Shri Supati Ranjan Majumder,
Accounts Department,
State Bank of India,
1-2-3, Strand Road,
Calcutta-1.

M/2572
Shri K Subramaniam,
C/o Shri K Ranganathan,
6, Hyderbasti, 1st Floor,
Secunderabad-3.

M/2629
Shri R Venkataraman,
Systems Manager,
The Britannia Biscuit Co. Ltd.,
"Nirmal", 20th Floor,
Nariman Point, Bombay-1.

M/2661
Shri Shridhar Anant Manvi,
11, 2nd Cross,
Kodandarampuram,
Malleswaram,
Bangalore-3.

The 25th November 1974

No. CWR(2)/74.—The following draft of certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations 1959, proposed to be made in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Sction 39 of the Cost and Works Accountants Act 1959, (Act No. 23 of 1959), is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after 31st January 1975.

Any objection or suggestion which may be received from any persons with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

In the said Regulations :

I. For the existing sub-regulation (4) of Regulation 32A, the following new sub-regulation (4) shall be substituted, namely :

"(4) A candidate who is not declared successful in Group I or Group II of the Intermediate Examination held under Regulation 31 or under Regulation 32, but obtains a minimum of 60 per cent of the total marks in any paper of the said Group I or Group II shall be exempted from that paper."

II. For the existing sub-regulation (2) of Regulation 35A, the following new sub-regulation (2) shall be substituted, namely :

"(2) A candidate who is not declared successful in Group I or Group III of the Final Examination held under Regulation 34, or in Group I or Group II of the Final Examination held under Regulations 35, but obtains in a subject

(i) where the subject comprises one paper, a minimum of 60 per cent of the total marks, or

(ii) where the subject comprises more than one paper, a minimum of 40 per cent of the total marks in each paper and a minimum aggregate of 60 per cent of the total marks of all papers,

shall be exempted from that subject."

EXPLANATORY NOTE ON THE ABOVE AMENDMENTS :

The following is the Explanatory Note on the amendments proposed in Notification No. CWR(2)/74, dated 25th November 1974. This Note is intended only to clarify the intention of the Council underlying these amendments and should not be construed as limiting or emplifying the scope of these amendments in any manner whatsoever.

The Council of the Institute considered the question of reviving the exemption being granted in individual subjects (other than Costing subject) on the basis of performance at the Institute's own examinations and decided that such exemption be granted to those who secure an aggregate of 60 per cent of the total marks in any individual subject other than Costing.

S. N. GHOSE, Secy.

UNIT TRUST OF INDIA
Unit-Linked Insurance Plan 1971

The 30th November 1974

No. UT. NP-4-74.—The following amendments made to the Unit Linked Insurance Plan 1971 formulated under Section 19(1)(cc) of the Unit Trust of India Act 1963 by the Board of Trustees of the Unit Trust of India at its meeting held on 4th November 1974 are published for general information : :

(A) The existing paragraph 19 shall be renumbered as sub-paragraph (1) of paragraph 19 and three new sub-paragraphs (2), (3) and (4) shall be added as follows :—

(2) Income distribution declared after the completion of the ten-year period of the saving shall, so long as the member's account is not settled, be applied by the Trust for re-investment in units including fractional units in accordance with the provisions of the Plan.

'(3) In the event of death of the member before the completion of the ten-year period of the saving, income distribution declared after the death of the member shall not be reinvested (if not already reinvested for want of information of the members' death) but shall be kept in a separate account and paid to the claimant at the time of settling the account.

'(4) Income distribution on units held by an erstwhile member whose contributions are in default shall be applied by the Trust for reinvestment in units, including fractional units, in accordance with the provisions of this Plan, so long as it is open to the erstwhile member to revive his membership under paragraph 29. Thereafter, the income distribution shall not be reinvested but shall be kept in a separate account and paid to the erstwhile member at the time of settling the account.'

(B) Paragraph 21 shall be replaced by the following :

'21. On completion of the ten-year period of saving, a member will be (i) issued a unit certificate with respect to the units to his credit for a number of units in multiples of ten, and (ii) paid the cash equivalent of the balance, if any, calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the member's account are complied with in full.'

(C) In paragraph 22, the words "calculated by applying the repurchase price ruling on the date the Plan was completed" shall be replaced by the words "calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the member's account are complied with in full".

(D) Paragraph 26 shall be replaced by the following :

'26. Any person becoming entitled to the benefits under the Plan in the event of death of the member in terms of paragraph 23 shall, upon providing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be (a) issued a unit certificate in his name with respect to the units to the credit of the deceased member for a number of units in multiples of ten, and paid the cash equivalent of the balance, if any, calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the account are complied with in full, and (b) paid the amount of insurance on the life of the deceased member. However, as regards (a), the Trust may pay the cash equivalent of all the units calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the account are complied with in full, if so desired by the claimant.'

(E) Paragraph 31 shall be replaced by the following :

'31. In the event of termination of membership in terms of paragraph 28 or 30, the erstwhile member will be issued a unit certificate with respect to the units to his credit for a number of units in multiples of ten and paid the cash equivalent of the balance, if any, calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with setting the account are complied with in full, provided that the Trust may pay him, if he so desires and makes a specific request to the Trust in this behalf, cash equivalent of all the units to his credit calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the account are complied within full. Before doing so, however, the Trust shall be entitled to recover, towards administrative charges, the following amount :

Category of member and Amount to be recovered

(i) Those who joined the Plan upto November 4, 1974—Upto Rs. 50/-

(ii) Those who joined the Plan after November 4, 1974—

(a) If membership terminated before the expiry of the first year—3% of the first year's contributions with a minimum of Rs. 50.

(b) If membership terminated after the expiry of the first year but before the expiry of second year—6% of the first year's contributions with a minimum of Rs. 50.

(c) If membership terminated after the expiry of two years—8% of the first year's contributions with a minimum of Rs. 50.'

(F) Sub-paragraph (7) of paragraph 32A shall be replaced by the following :

'(7) On the second-named person becoming entitled to the benefits under the Plan in the event of the death of the first-named person as hereinabove provided, the Trust shall, on being satisfied in such manner as it may decide about the death of the first-named person, (i) issue in the name of the second-named person a unit certificate with respect to the units held under the Plan for a number of units in multiples of ten and pay the cash equivalent for the balance, if any, calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the account are complied with in full, and (ii) pay to the second-named person the amount of insurance on the life of the first-named person and on the issue of a fresh unit certificate in the name of the second-named person as aforesaid, the provisions of the Plan shall cease to be applicable to the units comprised in the certificate. Provided that the Trust may, if so desried by the second named person pay him cash equivalent of all the units to which he is entitled, calculated at the repurchase price ruling on the date on which the Trust's requirements in connection with settling the account are complied with in full.'

V. V. ABHYANKAR, Secy.

AUDITORS' REPORT

Unit Scheme 1964

We have audited the attached Balance Sheet of the Unit Scheme 1964 of the Unit Trust of India as at 30th June, 1974 and the Revenue Account for the year ended on that date annexed thereto.

Subject to Notes Nos. 5 and 6 and read with the other Notes thereon, we report that:

(1) the Balance Sheet is a full and fair Balance containing all the necessary particulars and is properly drawn up in accordance with the Unit Trust of India Act, 1963 and the Regulations framed thereunder so as to exhibit, to the best of our knowledge and according to the information and explanations given to us, a true and fair view of the state of affairs of the Trust;

(2) we have received all the information and explanations we have required and found them to be satisfactory.

Sd/-
BATLIBOI & PUROHIT
Chartrered Accountants

Sd/-
DALAL & SHAH
Chartred Accountants

Bombay, 27th August, 1974.

UNIT TRUST

UNIT

(Established under the Unit Trust of India Act,

BALANCE SHEET AS AT

As at 30th June, 1973 Rupees	LIABILITIES	Amount Rupees	Rupees	Rupees
	CAPITAL :			
	Initial Capital :			
5,00,00,000	1,000 certificates of Rs. 50,000 each		5,00,00,000	
	Unit Capital :			
124,79,33,817	15,14,27,707·318 Units of Rs. 10/- each	151,42,77,073	151,42,77,073	
129,79,33,817				156,42,77,073
	RESERVES AND SURPLUS:			
	Unit Premium Reserve:			
1,36,91,270	Balance as per last Balance Sheet		1,84,83,405	
47,92,135	Amount allocated out of premium recovered on sales as adjusted by premium paid on repurchases . . .		59,37,522	
1,84,83,405			2,44,20,927	
	OTHER RESERVES:			
	General Reserve:			
	Initial Capital:			
4,86,625	Balance as per last Balance Sheet	4,86,625		
—	Transfer from Initial Capital Appropriation Account (See Note 4)	—		
4,86,625			4,86,625	
1,89,70,030			2,49,07,552	
129,79,33,817	. . . .			156,42,77,073
	Unit Capital:			
60,74,252	Balance as per last Balance Sheet	60,74,252		
—	Transfer from Unit Capital Appropriation Account (See Note 4)	—		
60,74,252			60,74,252	
23,33,750	Initial Capital Appropriation Account		27,03,253	
43,41,098	Unit Capital Appropriation Account		88,47,044	
3,17,19,130				4,25,33,101
	LOANS:			
	From Reserve Bank of India:			
—	(i) Secured against Trustee Securities		—	
—	(ii) Secured against Bonds issued by the Trust and guaranteed by the Central Government		—	
—	From Others		—	
—				—
132,96,52,947	Carried forward			160,68,09,174

OF INDIA
SCHEME 1964
1963—Regulation 39A Form I Schedule B)
30TH JUNE, 1974 (Figures are shown to the nearest rupee)

As at 30th June, 1973 Rupees	ASSETS	Rupees	Amount Rupees	Rupees
	INVESTMENTS: (at cost) (See Notes 1 & 3) Securities of the Central and State Governments:			
Nil	(i) Central Government Treasury Bills	Nil		
21,70,586	(ii) Other Trustee Securities	26,47,411		
21,70,586			26,47,411	
48,06,55,882	Debentures and Bonds (Including contracts awaiting completion—Rs. 9,439/- *Previous year*—*Rs.* 81,517)		53,10,85,758	
14,83,83,652	Preference Shares (Including contracts awaiting completion —Rs. 1,58,952/- *Previous year*—Rs. 34,456/-)		16,31,36,820	
60,62,31,707	Equity Shares (Including contracts awaiting completion— Rs. 89,45,911 *Previous year—Rs.* 48,46,778/-)		77,73,85,726	
3,49,140	Others (Calls paid in advance)		2,32,760	
123,77,90,967				147,44,88,475
	DEPOSITS:			
5,54,00,000	With Scheduled Banks		5,95,00,000	
11,01,00,000	With Other Institutions		16,04,50,000	
16,55,00,000				21,99,50,000
	OTHER CURRENT ASSETS:			
31,87,560	Balance with Banks and on hand		13,66,549	
4,09,137	Sundry Debtors (See Note 7)		58,05,024	
25,48,412	Contracts for sale of Investments		35,82,160	
2,25,18,067	Accrued Income		2,48,79,055	
1,49,34,864	Others (advances and deposits)		2,24,05,061*	
4,35,98,040				5,80,37,849
144,68,89,007				175,24,76,324
	FIXED ASSETS:			
—	Land (At cost)	—		
—	Buildings (At cost)	—		
—		—		
—	*Less:* Depreciation to-date	—		
			—	
	Furniture and Fixtures: (At cost)			
5,01,359	Balance as per last Balance Sheet	5,97,380		
96,077	Additions during the year	83,500		
5,97,436		6,80,880		
56	Deductions during the year	132		
5,97,380		6,80,748		
2,38,967	*Less:* Depreciation to-date	2,83,070		
3,58,413			3,97,678	
	Office Equipment: (At cost)			
11,12,182	Balance as per last Balance Sheet	11,35,314		
26,536	Additions during the year	89,944		
11,38,718		12,25,258		
3,404	Deductions during the year	—		
11,35,314		12,25 258		
7,79,563	*Less:* Depreciation to-date	8,46,417		
3,55,751			3,78,841	
7,14,164	C/F.		7,76,519	
144,68,89,007	Carried forward			175,24,76,324

*Includes Rs. 41,75,000/- advance payment on unallotted shares and debentures (*previous year Rs.* 67,25,000/-) and Rs. 1,70,00,000/- on Bridging Finance (*previous year Rs.* 80,00,000/-) and Rs. 9,00,000/- to a contractor towards construction of proposed building.

UNIT TRUST
UNIT
(Established under the Unit Trust of India Act
BALANCE SHEET AS AT

As at 30th June 1973 Rupees	LIABILITIES	Rupees	Amount Rupees	Rupees
132,96,52,947	Brought forward			160,68,09,174
	CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:			
6,31,009	Sundry Creditors		16,52,958	
—	Interest on Loans		—	
49,62,751	Contracts for purchase of investments		91,14,302	
34,25,759	Unclaimed Distributed Income		41,02,793	
28,75,000	Income Distribution on Initial Capital		28,75,000	
10,60,74,374	Income Distribution on Unit Capital		12,87,13,551	
11,79,68,893				14,64,58,604
144,76,21,840	Total			175,32,62,778

Rupees	Contingent Liabilities:	Rupees
18,822	(i) Claims against the Trust not acknowledged as debts (Sales tax claimed on importation charges of Tabulating Machines under dispute)	18,822
99,76,375	(ii) Uncalled liability in respect of partly paid shares held as investments	1,37,06,348
1,01,50,000	(iii) Liability in respect of unexpired underwriting contracts	5,36,00,000

As per our report attached.
BATLIBOI & PUROHIT
DALAL & SHAH
Chartered Accountants

Bombay, 27th August, 1974.

UNIT TRUST OF INDIA

(Established under the Unit Trust of India Act, 1963 Regulation 39A Form I Schedule B)

Notes annexed to and forming part of the Accounts of the Unit Scheme 1964 *as at 30th June,* 1974

(Figures are shown to the nearest rupee)

30th June, 1973 Rupees		30th June, 1974 Rupees
	Notes:	
	1. (*a*) Quoted investments including Treasury Bills:	
103,80,39,132	Cost	121,99,47,726
112,08,19,785	Aggregate market value	151,35,48,514
	(*b*) Unquoted investments:	
19,97,51,835	Cost	25,43,07,989

2. After taking the market value of investments, the net value of the assets of the Trust as on 30th June, 1974 amounted to Rs. 190,04,09,962 (as on 30th June, 1973 Rs. 141,25,03,600).
3. Investments include Rights shares of Rs. 9,67,490 that are reserved for firm allotment but in respect of which allotment has not been made till 30th June, 1974.
4. The distributable profit includes net profit of Rs. 109·39 lakhs on Sale/Redemption of investments which used to be transferred to General Reserves in earlier years upto 1970-71.
5. Reconciliation as on 30th June, 1974 in respect of the Unit Capital and Unclaimed Dividends is still in progress.

OF INDIA

SCHEME 1964

1963—Regulation 39A Form I Schedule B)

30TH JUNE, 1974.

(Figures are shown to the nearest rupee)

	ASSETS		Amount	
As at 30th June, 1973 Rupees		Rupees	Rupees	Rupees
144,68,89,007				175,24,76,324
7,14,164	B/F		7,76,519	
	Motor Vehicles: (At cost)			
57,945	Balance as per last Balance Sheet	57,945		
—	Additions during the year	—		
57,945		57,945		
—	Deductions during the year	—		
57,945		57,945		
39,276	*Less:* Depreciation to-date	43,010		
18,669			14,935	
—	Others	—		
7,32,833				7,91,454
144,76,21,840	Total			175,32,67,778

See Notes Annexed.

Chairman

J. S. RAJ
B. C. RANDERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY
C. D. KHANNA
R. D PUSALKAR
Trustees

W.V. JOG
Chief Accountant.

U. M. BANERJEE
Secretary

UNIT TRUST OF INDIA

Notes:—(Contd.)

6. No provision has been made in the accounts as on 30th June, 1974 for the future liability of the Trust towards Gratuity payable to the Reserve Bank of India in respect of the staff placed on duty with the Trust in accordance with the Bank's rules, as the amount involved is not ascertainable.
7. Sundry Debtors include Rs. 1,31,981 due from Unit Scheme 1971 and Rs. 91,529 due from Sales Agencies
8. Previous year's figures have been regrouped wherever necessary.

J. S. RAJ *Chairman*
B. C. RANDERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY *Trustees*
C. D. KHANNA
R. D. PUSALKAR

BATLIBOI & PUROHIT
DALAL & SHAH
Chartered Accountants
Bombay, 27th August, 1974

W. V. JOG
Chief Accountant

U.M. BANERJEI
Secretary

UNIT TRUST

UNIT

(Regulation 39A

REVENUE ACCOUNT FOR THE YEAR

Previous Year Rupees	Expenditure	Amount Rupees
57,69,160	Salaries, Allowances, Contributions to Provident Fund and Gratuity (see Note below)	76,46,205
2,850	Sitting Fees of Trustees	2,600
20,300	Travelling and other allowances of Trustees (for attending Board and Committee Meetings)	20,598
19,85,875	Office Expenses (Including Publicity Expenses	25,67,648
—	Interest on Borrowings	—
19,55,726	Commission Brokage and Bank Charges	28,70,248
25,000	Auditor's Fees	25,000
1,07,269	Depreciation	1,14,771
98,66,180		1,32,47,070
34,55,593	*Less:* Management Expenses recovered from sale of units	48,49,723
64,10,587	Total Expenditure	83,97,347
11,15,32,986	Income for the year	13,64,64,000
11,79,43,573	Total	14,48,61,347

Note:

1,08,502	Remuneration and allowances of Chairman and Executive Trustee included in the above	59,552

ALLOCATION OF INCOME AND EXPENDITURE BETWEEN INITIAL CAPITAL AND

11,34,00,060	45,43,513	11,79,43,573	Gross Income as above
—	—	—	*Less:* Interest on Borrowings
11,34,00,060	45,43,513	11,79,43,573	
56,70,003	7,40,584	64,10,587	*Less:* Total Expenditure as above.
10,77,30,057	38,02,929	11,15,32,986	
Transferred to Unit capital Appropriation Account	Transferred to Initial capital Appropriation Account		

INITIAL CAPITAL

Rupees		Rupees
28,75,000	Income Distribution @ 5·75% (1972-73 @ 5·75%)	28,75,000
23,33,750	Balance carried to Balance Sheet	27,03,253
52,08,750	Total	55,78,253

UNIT CAPITAL

Rupees		Rupees
10,60,74,374	Income Distribution @ 8·50% (1972-73 @ 8·50%)	12,87,13,551
43,41,098	Balance carried to Balance Sheet	88,47,044
11,04,15,472	Total	13,75,60,595

As per our report attached to the Balance Sheet

BATLIBOI & PUROHIT

DALAL & SHAH

Chartered Accountants

Bombay, 27th August, 1974

OF INDIA

SCHEME 1964

Form 2, Schedule B)

ENDED 30TH JUNE, 1974

(Figures as are shown to the nearest rupees)

Previous Year Rupees	Income	Amount Rupees	Rupees
10,55,27,058	Dividend and Interest	12.77,17,273	
67,79,446	*Add*: Profit on sale anp redemption of Investments (net)(See Note 4)	1,09,39,132	
11,23,06,504			13,86,56,405
2,98,925	Commission and Brokerage *(net)		4,78,250
7,42,257	Other Income (including commitment charges of Rs. 3,29,040 Previous Year Rs. 7,26,099)		3,48,321
45,95,887	Amount recovered on sale/less amount paid on repurchase of units on account of Income Equaliser		53,78,371
11,79,43,573	Total		14,48,61,347

UNIT CAPITAL UNDER SECTIONS 24 AND 25 OF THE UNIT TRUST OF INDIA ACT, 1963

Total Rupees	Initial Capital Rupees	Unit Capital Rupees
14,48,61,347	46,30,297	14,02,31,050
—	—	—
14,48,61,347	46,30,297	14,02,31,050
83,97,347	13,85,794	70,11,553
13,64,64,000	32,44,503	13,32,19,497
	Transferred to Initial Capital Appropriation Account	Transferred to Unit Capital Appsopriation Account

APPROPRIATION ACCOUNT

Rupees		Rupees
14,05,821	Balance brought forward from previous year	23,33,750
38,02,929	Net Income allocated as above	32,44,503
52,08,750	Total	55,78,253

APPROPRIATION ACCOUNT

Rupees		Rupees
26785.415	Balance brought forward from previous year	43,41,098
10,77,30,057	Net Income allocated as above	13,32,19,497
11,04,15,472	Total	13,75,60,595

W. V. JOG
Chief Accountant

U.M. BANERJEE
Secretary

J. S. RAJ *Chairman*

B. C. RANDERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY
C. D. KHANNA
R. D. PUSALKAR
Trustees

*Represents underwriting commission in respect of shares and debentures subscribed for by the Trust.

AUDITORS' REPORT

Unit Scheme 1971

We have audited the attached Balance Sheet of the Unit Scheme 1971 of the Unit Trust of India as at 30th June, 1974 and the Revenue Account for the year ended on that date annexed thereto.

Subject to and read with the Notes thereon, we report that:

(1) the Balance Sheet is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars and is properly drawn up in accordance with the Unit Trust of India Act, 1963 and the Regulations framed thereunder so as to exhibite, to the best of our knowledge and according to the information and explanations given to us, a true and fair view of the state of affairs of the Trust;

(2) we have received all the information and explanations we have required and found them to be satisfactory.

Sd/-
BATLIBOI & PUROHIT
Chartered Accountants
Sd/-
DALAL & SHAH
Chartered Accountants

Bombay, 27th August, 1974

UNIT TRUST
Unit Scheme
(Established under the Unit Trust of India Act,
BALANCE SHEET AS AT

As at 30th June, 1973 Rupees	LIABILITIES	Rupees	Amount Rupees
	CAPITAL		
	Unit Capital:		
16,09,191	Unit Linked Insurance Plan: 4,89,705·707 Units of Rs. 10/- each		48,97,057
	RESERVES AND SURPLUS :		
	Unit Premium Reserve:		
433	Balance as per last Balance Sheet	2,336	
2,103	Amount allocated out of premium recovered on sales	5,065	
2,709	Unit Capital Appropriation Account	7,266	
5,245			14,867
	CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
32,885	Sundry Creditors	1,88,385*	
21,870	Contracts for purchase of investments	2,78,917	
1,12,644	Income Distribution on Unit Capital	3,42,794	
1,67,399			8,10,096
17,81,835	Total		57,22,020

*Includes Rs. 1,31,981 payable to Unit Scheme 1964 (*Previous year* Rs. 10,769/-)

As per our report attached.
BATLIBOI & PUROHIT
DALAL & SHAH
Chartered Accountants

Bombay, 27th August, 1974

6,902	Salaries and Allowances, etc.		8,833
11,459	Office Expenses (Net)	55,047	
—	*Less:* Transferred to Deferred Revenue Expenditure (See Note 4)	15,523	
11,459			39,524
32,286	Commission, Brokerage Bank Charges	70,055	
15,665	*Less:* Transferred to Deferred Revenue Expenditure (See Note 4)	34,589	
16,621			35,466
2,321	Deferred Revenue Expenditure written off		4,062
37,303			87,885
16,610	*Less:* Management Expenses recovered from sale of units		44,806
20,693			43,079
1,14,148	Amount transferred to Appropriation Account		3,47,351
1,34,841	Total		3,90,430
			APPROPRIARION
1,12,644	Income Distribution @ 7% (1972-73 @ 7%)		1,42,794
2,709	Balance carried to Balance Sheet		7,266
1,15,353	Total		3,50,060

As per our report attached to the Balance Sheet,
BATLIBOI & PUROHIT
DALAL & SHAH
Chartered Accountants

Bombay, 27th August 1974

OF INDIA
1971
1963—Regulation 39A Form J—Schedule B)
30TH JUNE, 1974

(Figures are shown to the nearest rupee)

As at 30th June, 1973 Rupees	ASSETS	Rupees	Amount Rupees
	INVESTMENTS : (At Cost)		
	(See Note 1)		
2,77,021	Preference Shares (Including contracts awaiting completion—Rs. Nil, Previous year—Rs. Nil.)	6,51,722	
10,51,168	Equity Shares (Including contracts awaiting completion—Rs. 2,74,050/- Previous year—Rs. 5,390/-)	16,65,787	
3,06,031	Debentures and Bonds (Including contracts awaiting completion—Rs. 4,867/-] Previous year—Rs. 16,480/-)	11,15,613	
16,34,220			34,33,122
	DEPOSITS		
	Deposits with Scheduled Banks		19,00,000
	OTHER CURRENT ASSETS:		
30,182	Balance with Bank and on hand (Including cheques on hand Rs. 15,600/-, Previous year—Rs. 15,985 -)	2,20,627	
135	Sundry Debtors	1,477	
76,210	Accrued Income	85,266	
	Deferred Revenue Expenditure. (See Note 4)		
		Rupees	
20,900	Balance as per last Balance Sheet	34,244	
15,665	*Add:* Amount transferred during the year	50,112	
36,565		84,356	
2,321	*Less:* Amount written off during the year	4,062	
34,244		80,294	
6,844	Others	1,234	
1,47,615			3,88,898
17,81,835	Total		57,22,020

See Notes annexed

J. S. RAJ — *Chairman*
B. C. RANDERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY
C. D. KHANNA
R. D. PUSALKAR — *Trustees*

W.V. JOG, *Chief Accountant* — U. M. BANERJEE, *Secretary*

1,28,954	Dividend and sale Interest	3,52,516	
12	*Add:* Profit on sale of shares	94	
1,28,966			3,52,610
	Amount recovered on sale/less amount paid on repurchase of units on account of Income Equaliser		37,820
1,34,841	Total		3,90,430

ACCOUNT:

1,205	Balance brought forward from previous year	2,709
1,14,148	Net Income transferred from Revenue Account	3,47,351
1,15,353	Total	3,50,060

See Notes annexed.

J. S. RAJ — *Chairman*

B. C. RANDERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY
C. D. KHANNA
R. D. PUSALKAR — *Trustees*

W.V. JOG, *Chief Accountant* — U.M. BANERJEE, *Secretary*

UNIT TRUST OF INDIA

(Established under the Unit Trust of India Act, 1963 Regulation 39A Form I Schedule B)

Notes annexed to and forming part of the Accounts of the Unit Scheme 1971 as at 30th June, 1974

(Figures are shown to the nearest rupee)

30th June, 1973 Rupees		30th June, 1974 Rupees
	Notes:	
16,33,265	1. (a) Quoted Investments: Cost	32,10,691
16,14,771	Aggregate market value	37,44,673
954	(b) Unquoted Investments : Cost	2,22,432
15,61,697	2. After taking the market value of the investments, the net value of the assets of the Unit Scheme 1971, as on 30th June, 1974 amounted to	33,65,612
	3. Some of the expenses incurred by the Trust in common for Unit Scheme 1964 and Unit Scheme 1971 have been apportioned between the two Schemes in terms of Section 25(4) of the Unit Trust of India Act, 1963 except for gratuity unprovided for.	
	4. The amount transferred to Deferred Revenue Expenditure is in terms of Section 25(3) of the Unit Trust of India Act, 1963.	
200	5. Contingent liability on account of partly paid shares	6,390

J. S. RAJ — *Chairman*

BATLIBOI & PUROHIT, DALAL & SHAH — *Chartered Accountants*
W. V. JOG — *Chief Accountant*
U. M. BANERJEE — *Secretary*

B. C. RADERIA
C. P. MUKHERJEE
K. S. KRISHNASWAMY
C. D. KHANNA
R. D. PUSALKAR
— *Trustees*

Bombay, 27th August, 1974

THE BAR COUNCIL OF INDIA

AMENDMENT OF RULES

At its meeting dated 3rd November, 1974, the Rules of the Bar Council of India have been amended as set out in the following Resolutions :—

I. *Resolution No.* 117/1974

Resolved that the Rules of the Council be and are hereby amended as follows :—

"The Explanation in Rule 4, Chapter I, Part II, of the Rules of the Council published at page 323 of the Gazette of India Part III, Section 4 dated 6th July, 1974 be and is hereby deleted."

II. *Resolution No.* 139/1974

Resolved that Rule 2 in Chapter IV, Part II of the Rules of the Council published at page 325 of the Gazette of India Part III, Section 4 dated 6th July, 1974, be and is hereby amended as follows :—

In lieu of the figures—

"Rs. 1000-60-1600-EB-100-1800"

Substitute the figures-

"Rs. 1000-60-1600-EB-100-1800-100-2000."

A. N. VEERARAGHAVAN
Secretary
Bar Council of India

New Delhi,
5th December, 1974.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-74, the 11th December 1974

No. K/2045/PD(T)/Est.VII/2492.—Order No. K/2045/PD(T)Est.VII/1914, dated September 20, 1974 a, copy of which was sent by registered post to Shri Y. B. Koyande at his local as well as home town address having been returned undelivered is published below.

September 20, 1974

No. K/2045/PD(T)/Est.VII/1914.

ORDER

In terms of para 1(a) of the offer of appointment No. PA/80(23)/71-R-III dated 18-6-73 and memorandum No. PA/K/2045/R-III, dated 4-7-73, I hereby terminate forthwith the services of Shri Y. B. Koyande, a temporary Driver Gr. I on probation working in this Research Centre.

T. V. RANGARAJAN,
Head, Personnel Division

T. V. RANGARAJAN
Head, Personnel Division
Bhabha Atomic Research Centre

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(P. & T. BOARD)

New Delhi-110001, the 19th November 1974

No. 25/78/74-LI.—Postal Life Insurance Policy No. 89898-C dated 9-8-61 for Rs. 1000/- held by Shri Sk. Yasim Sahib having been lost from the *Departmental custody*, notice

is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Dy. Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue a duplicate policy in favour of the insurant. The public are hereby cautioned against dealing with the original policy.

The 9th December 1974

No. 25/90/74-LI.—Postal Life Insurance policy No. 128630-C dated 5-3-71 for Rs. 3000/- held by Shri Bharpur Singh Patwal having been lost from the *Departmental custody*, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Dy. Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue a duplicate policy in favour of the insurant. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policy.

R. N. DEY,
Director (PLI)

DEPARTMENT OF POSTS & TELEGRAPHS
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

New Delhi-110001, the 16th December 1974

No. 25/93/74-LI.—Postal Life Insurance policy No. 149817-P dated 6-5-69 for Rs. 10,000/- held by Shri G. M. Hussain having been lost from the *Departmental custody*, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Dy. Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue a duplicate policy in favour of the insurant. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policy.

R. N. DEY
Director (PLI)

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Classification of Policies for Differential Bonuses

Amendment to the Life Insurance Corporation of India (Classification of Policies for Differential Bonuses) Regulations, 1961

In exercise of the powers conferred by section 49 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), and with the previous approval of the Central Government, the Life Insurance Corporation of India hereby makes the following Regulations further to amend the Life Insurance Corporation of India (Classification of Policies for Differential Bonuses) Regulations, 1961, namely :—

1. These Regulations may be called the Life Insurance Corporation of India (Classification of Policies for Differential Bonuses) (Second Amendment) Regulations, 1974.

2. In the Life Insurance Corporation of India (Classification of Policies for Differential Bonuses) Regulations, 1961, after Regulation 8, the following Regulation shall be inserted, namely :—

"8A. Notwithstanding anything contained in these Regulations, any bonuses declared on the policies issued on or after 1-4-1973 will vest in such policies if such policies had been in force for the full sum assumed for a period of five years from the relevent dates of commencement;

Provided that nothing contained in this Regulation shall apply to policies where, by reason of death occurring at any time within the said period of five years, claims are payable for the full sum assumed."

R. M. MEHTA
Managing Direcor

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

The 11th December 1974

No. 12-(1)/27/71-Med. II.—In continuation to E. S. I. Corporation Notification of even number dated 10th June, 1974 and in pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon me the powers of the Corporation under Regulation 105 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, I hereby authorise Dr. P Sheshagiri Rao, No. 30, Vigyan Puri, Vidya Nagar, Hyderabad to function as Medical authority for 6 months more with effect from 16-12-1974 (F.N.) to 15-6-1975 for Hyderabad City for the purposes of Medical Examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

T. N. LAKSHMI NARAYANAN
Director-General

Bombay-13, the 21st October 1974

B/Estt-II-18(35).—It is hereby notified that the Local Committee set up vide this office Notification No. B/Estt-II-18(35) dated 1-9-1971 for Kolhapur area under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 has been reconstituted with the following members with effect from the date of Notification .—

Chairman

Under Regulation 10-A-1(*a*)

1. Asstt. Commissioner of Labour, Kolhapur.

Under Regulation 10-*A*-1(*b*)

2. Senior Administrative Officer to the Administrative Medical Officer, E.S.I. Scheme, Poona.

Under Regulation 10-*A*-1(*c*)

3. The Administrative Medical Officer
E.S.I. Scheme,
Western Maharashtra Region,
Sassoon Hospital Building, Poona-1.

Under Regulation 10-*A*-1(*d*)

4. Shri Sudhakar Sakharam Kulkarni,
(Representative of Kolhapur Engineering Association, Kolhapur). C/o S. Yeshwant and Co. Shivaji Udyamnagar, Kolhapur.

5. Shri Pandurang Appasaheb Shelar,
(Representative of Maharashtra State Textile Corporation, Bombay Undertaking) Personnel Officer, Shahu Chhatrapati Mills. Kolhapur.

Under Regulation 10-*A*-1(*e*)

6. Shri Prasannakumar Dattatraya Dighe,
C/o Mechanical & Engineering Kamgar Union,
"Shramik" 1289, Laxmipuri, Kolhapur.

7. Shri Baburao Shivappa Gaikwad,
C/o. Shahu Mills Kamgar Sangh,
Shahupuri, Kolhapur.

Under Regulation 10-*A*-1(*f*)

Member Secretary

8. The Manager,
Local Office Kolhapur E.S.I. Corporation, Kolhapur.

The 11th November 1974

B/Estt-II-18(25).—It is hereby notified that the Local Committee set up vide this office Notifiction No. B/Estt-II-18(25), dated 22-4-70 for Borivli area under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 has been reconstituted with the following members with effect from the date of Notification :—

Chairman

Under Regulation 10-*A*-1(*a*)

1. Dy. Commissioner of Labour (Administration) Bombay.

Under Regulation 10-*A*-1(*b*)

2. P.A. to the Director,
E.S.I. Scheme, Bombay.

Under Regulation 10-A-1(*c*)

3. The Medical Officer Incharge,
Specialist Centre, Malad.

Under Regulation 10-*A*-1(*d*)

4. Shri N. S. Bhat,
(Representative of Bombay Chamber of Commerce & Industry and The Association of Indian Engineering Industry, Western Region), The Personnel & Welfare Officer, M/s. Cable Corporation of India Ltd., Borivli (East), Bombay-66.

5. Shri M. I. Patel,
(Representative of Bombay Industries Association, Ghatkopar).
C/o. M/s. Extrusion Processes Pvt. Ltd., Ram Baug, Swami Vivekanand Road, Malad. (W.Rly), Bombay-64.

Under Regulation 10-*A*-1(*e*)

6. Shri Navin S. Ghate,
Engineering Mazdoor Sabha, Kamgar Sadan, Nawab Tark Road, Mazgaon, Bombay-10.

7. Shri L. P. Nevis,
(Representative of Mahindra & Mahindra Workers' Union), Panchal Niwas, Akurli Road, Kandivli (East), Bombay-67.

8. Shri S. D. Khade,
Secretary, Bharatiya Kamgar Sena, 315, Shri Ram Niwas, Thakurdwar, Jagannath Shankar Sheth Road, Bombay-2.

Under Regulation 10-*A*-1(*f*)

Member Secretary

9. The Manager,
Local Office Borivli, E.S.I. Corporation, Borivli, Bombay.

By Order.

V. SIVARAMAN, Regional Director.
Member Secretary, Regional Board.

Chandigarh, the 11th October 1974

No. PB.INS.II.11(2)/73(PB).—In supersession of Employees' State Insurance Corporation Notification No. ASR.AIM. 18(8)/61-62/376/1274 dated 13-5-63 published in Government of India Gazette Part III Section 4 dated 25-5-63. It is hereby notified that the Chairman, Regional Board, Punjab has re-constituted the Local Committee consisting of the following members for Amritsar area (where Chapter IV & V of Employees' State Insurance Act, 1948 are already in force) under Regulation 10-A of Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 with effect from the date of Notification :—

Chairman

Under Regulation 10-*A*(1)(*a*)

1 General Assistant to Deputy Commissioner, Amritsar

Members

Under Regulation 10-*A*(*b*)

2. The Chief Medical Officer, Amritsar.

Under Regulation 10-*A*(1)(*c*)

3. The Dy. Director of Health Services, (S.I.), Punjab, Chandigarh.

Under Regulation 10-*A*(1)(*d*)

4. Shri G. K. Nayyar, Hony. Labour Secretary Textile Manufacturs Association, Queens Road, Amritsar.

5 Shri Hardit Singh, Dy Chief Executive, O.C.M (India) Ltd., Chheharta (Amritsar)

6. Shri Dalip Singh, Prop. International Engg. Corporation, G.T. Road, Amritsar

Under Regulation 10-A(1)(*e*)

7 Shri Parduman Singh, General Secretary, Textile Mazdoor Ekta Union, Putli Ghar, Amritsar.

8. Shri Balwant Rai Kapoor, General Secretary, I.N.T.U.C. Mazdoor Council, Gali No. 2, Putli Ghar, Amritsar.

9 Shri Ravinder Singh, General Secretary, Bhartiya Mazdoor Sangh, Cali No. 2, Putli Ghar, Amritsar.

Under Regulation 10-*A*(1)(*f*)

10 The Manager, Local Office, E.S.I. Corporation, Amritsar. . . . . *Secretary.*

No. PB.INS.II.11(2)/73-(PB).—In supersession of the Employees' State Insurance Corporation notification No. PB.INS. II.11(a)/66 dated 20-2-67 published in the Government of India Gazette Part III Section 4 dated 4-3-67 at page 104 it is hereby notified that the Chairman, Regional Board, Punjab has re-constituted the Local Committee consisting of the following members for Ludhiana area (where Chapter IV and V of Employee's State Insurance Act, 1948 are already in force) under Regulation 10-A of Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 w.e.f., the date of notification :—

Chairman

Under Regulation 10-*A*(1)(*a*)

1 Ceneral Assistant to Dy. Commissioner, Ludhiana.

Members

Under Regulation 10-*A*(*b*)

2. Chief Medical Officer, Ludhiana.

Under Regulation 10-*A* (1)(*c*)

3. The Dy. Director, Health Services, (S.I) Punjab, Chandigarh.

Under Regulation 10-*A*(1)(*d*)

4 Shri Jagjit Singh, Managing Partner, M/s Gurmukh Singh & Sons, G.T. Road, Ludhiana.

5. Shri Jagjit Rai Maini Manager, Hindustan Tyre Co, Industrial Area-A, Ludhiana.

6. Shri Inderjit Singh Partner, M/S Avon Cycle Industries, Industrial Area-B. Ludhiana.

Under Regulation 10-*A*(1)(*e*)

7. Shri Sita Ram, General Secretary, A.I.T.U.C. Branch, Chowk Dhobiwal, Ludhiana.

8 Shri Kartar Singh Dhir, President, I.N.T.U C Mazdoor Council, Congress Office, Ludhiana.

9. Shri Murari Lal Nirmal, General Secretary, Hind Mazdoor Panchayat, Ludhiana.

Under Regulation 10-*A*(1)(*f*)

10. The Manager Jocal Office, E S I Corporation, Ludhiana. *Secretary.*

By Order
I. S. GREWAL, Regional Director.

Ahmedabad-9, the 3rd December 1974

No. G/ADM/249.L.C.(A'bad)(Consti)/72.—In the Notification of even number dated 13th December, 1972 at page 4 & 10 in the Gazette of India, Part III, Section IV published on January the 6th, 1973 at Sl. No. 6 the name of Shri Dilip R. Parikh, C/o Gujarat Chamber of Commerce and Industry, Ranchhodlal Road, P.B. 4045, Ahmedabad-9 may be substituted in place of Shri Anilbhai Chinubhai as the resignation tendered by Shri Anilbhai Chinubhai has been accepted by the Chairman, Regional Board, E.S.I. Corporation, Gujarat.

The 4th December 1974

No. G/ADM 228(Consti)/74.—In the notification of even number dated 26th June, 1974 at page 321 and 330/31 in the Gazette of India, Part III Section IV published on 6th July, 1974 at Sl. No. 6 the name of "Shri Bhagwansinh T. Rajput, General Secretary, Cambay Textile Mazdoor Union, Sashak Congress, Rubi House, Station Road, Cambay" may be substituted in place of "Shri Prafulchandra Mohanlal Jani" as the Chairman, Regional Board, Gujarat has declared the cessation of membership of Shri Prafulchandralal Mohanlal Jani under Regulation 10-A(4)(ii) of the E.S.I. General Regulations, (1950).

By Order

S. SAHAI, Regional Director & Secretary, Gujarat Regional Board, E.S.I. Corporation, Ahmedabad-9.

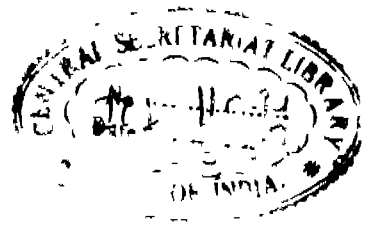

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1974